भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो समाज अपने संस्कारों को उत्सवों में खो देता है और चेतना को नशे में डुबो देता है, वह आने वाली पीढ़ियों से भविष्य नहीं, केवल बहाने विरासत में छोड़ता है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-64 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

कथनी-करनी का फासला और विवाह समारोहों में बढ़ता नशे का चलन

भारतीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि वह परंपराओं, मूल्यों और सामाजिक मर्यादाओं को पीढ़ी दर पीढ़ी सहेजता आया है। विवाह जैसे संस्कार को तो हमारे यहां केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों और दो संस्कृतियों का पवित्र मिलन माना गया है। लेकिन विडंबना यह है कि समय के साथ इस पवित्र संस्कार के स्वरूप में ऐसे तत्व घुसते चले गए हैं, जो न केवल इसके मूल भाव को विकृत कर रहे हैं, बल्कि समाज की कथनी और करनी के बीच गहराते अंतर को भी उजागर कर रहे हैं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है। आज लगभग हर व्यक्ति अपने निजी जीवन में मांस-मदिरा का सेवन करता है या उसे सामान्य मानता है। किंतु जब बात अपनी बेटी के विवाह की आती है, तो वही व्यक्ति यह अपेक्षा करता है कि होने वाला दामाद 'खाता-पीता' न हो, अर्थात शराब, नशा और मादक पदार्थों से दूर रहने वाला हो। रिश्ते तय करते समय लड़के की आदतों की बाकायदा जांच-पड़ताल की जाती है–कहीं वह शराबी तो नहीं, कबाबी तो नहीं, किसी गलत संगत में तो नहीं। यह सावधानी स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर माता-पिता अपनी बेटी का भविष्य सुरक्षित देखना चाहते हैं।

परंतु यही सावधानी और नैतिकता विवाह के अगले ही चरण में ढहती नजर आती है। लगन-टीका, सगाई और शादी के आयोजनों में शराब की पार्टी को लगभग अनिवार्य बना दिया गया है। दुल्हन के भाई द्वारा दूल्हे पक्ष से शराब की मांग, मेहमानों की 'मनुहार' के नाम पर खुलेआम मदिरापान और इसे सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ देना–यह सब हमारी सामाजिक संरचना के ताने-बाने में गहराई तक समा चुका है। जो परिवार इस व्यवस्था से असहज होता है या इससे दूरी बनाना चाहता है, उसे 'कंजूस ', 'रूढ़िवादी' या 'मेहमाननवाजी न समझने वाला' करार दे दिया जाता है। मलमास के बाद विवाह का मौसम शुरू होते ही यह दृश्य और भी स्पष्ट हो जाता है। विवाह पंडालों में भोजन की कतार से अधिक भीड़ अब अंधेरे कोनों में सजे अस्थायी बीयर बारों के पास दिखाई देती है। कहीं विधिवत व्यवस्था होती है, तो कहीं लोग गाड़ियों के बोनट पर सलाद, नमकीन, शराब की बोतलें और डिस्पोज़ल गिलास सजा लेते हैं। समारोह समाप्त होने के बाद गांवों के बाहर या रास्तों के किनारे बिखरी खाली बोतलें, रैपर और पानी की बोतलें न केवल गंदगी फैलाती हैं, बल्कि हमारी सामाजिक सोच की पोल भी खोलती हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस माहौल में हमारी नौजवान पीढ़ी किस दिशा में जा रही है। लगन-टीका जैसे अवसरों पर नशे में धुत, लड़खड़ाते कदमों से चलते युवा केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भविष्य के प्रति एक चेतावनी हैं। जब समाज स्वयं ऐसे आयोजनों में नशे को प्रोत्साहन देता है, तो फिर युवाओं से संयम और अनुशासन की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? यही कारण है कि कथनी और करनी के इस अंतर को देखकर नौजवान पीढ़ी भी दोहरे मानदंड सीख रही है–बोलने में आदर्श, निभाने में विपरीत।

यह स्थिति केवल नैतिक चिंता का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक बोझ और सामाजिक दबाव का कारण भी बन चुकी है। शराब की 'कंपलसरी' व्यवस्था ने विवाह को अनावश्यक रूप से महंगा बना दिया है। मध्यम और गरीब परिवार सामाजिक दबाव में कर्ज लेकर भी इन आयोजनों में शराब की व्यवस्था करते हैं, ताकि कहीं रिश्ते में खटास न आ जाए। विडंबना यह है कि अगर लगन-टीका में शराब की 'परोसगिरी' में कोई कमी रह जाए, तो शिकायतें शुरू हो जाती हैं और रिश्तों में तनाव पैदा हो जाता है–मानो वर्षों की बातचीत, आपसी समझ और भावनात्मक जुड़ाव सब कुछ एक बोतल के आगे बौना पड़ गया हो। इस पूरे परिदृश्य में शराब का चरित्र बड़ा विचित्र हो गया है–सीधे पियो तो शान, छिपकर पियो तो भी काम चल जाता है, और मना करो तो सामाजिक अपराधी बन जाओ। 'वाह रे शराब के प्याले, तेरा भी काम निराला '–यह पंक्ति आज की सामाजिक सच्चाई पर करारा व्यंग्य बन चुकी है। समाधान क्या है? सबसे पहले हमें अपने दोहरे मानदंडों को स्वीकार करना होगा। यदि हम सचमुच नशे को बुरा मानते हैं, तो उसे विवाह जैसे संस्कारों से बाहर करने का साहस भी दिखाना होगा। सामाजिक बदलाव किसी कानून से नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प से आता है। परिवारों को आगे बढ़कर यह तय करना होगा कि सम्मान, रिश्ते और मेहमाननवाजी का पैमाना शराब नहीं, बल्कि सादगी, आत्मीयता और संस्कार होंगे। साथ ही, समाज के प्रबुद्ध वर्ग, धर्मगुरु, सामाजिक संगठन और मीडिया को भी इस विषय पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। जैसे दहेज के खिलाफ धीरे-धीरे चेतना बढ़ी है, वैसे ही विवाह समारोहों में नशे के अनिवार्य चलन पर भी सवाल उठाने होंगे। तभी हम आने वाली पीढ़ी को यह संदेश दे पाएंगे कि विवाह केवल दिखावे और नशे का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन के दो रास्तों का जिम्मेदार और सम्मानजनक संगम है। यदि आज हमने इस विरोधाभास पर आत्ममंथन नहीं किया, तो कल हमारी कथनी और करनी का यह फासला और गहरा होगा–और उसका खामियाजा समाज, परिवार और हमारी युवा पीढ़ी को चुकाना पड़ेगा।

राजस्थान में 16 मई से जनगणना, 33 सवाल होंगे: पहले फेज में मकानों की लिस्टिंग, फिर लोगों की गिनती

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

राजस्थान के लिए जनगणना की तारीख तय कर दी गई है। राजस्थान में जनगणना के पहले फेज में मकान सूचीकरण का काम 16 मई से लेकर 14 जून तक पूरा किया जाएगा। पहली बार सेल्फ सेंसस का विकल्प भी दिया है। सेल्फ सेंसस (स्व गणना) 1 मई से 15 मई के बीच करवाई जाएगी।सांख्यिकी विभाग ने राजस्थान में जनगणना के पहले फेज की अधिसूचना जारी कर दी है। जनगणना के पहले फेज के लिए केंद्र सरकार ने 33 सवाल तय किए हैं, जिसकी अधिसूचना जारी कर दी है। इस बार जनगणना का काम सरकारी कर्मचारी के साथ-साथ आम लोग खुद भी कर सकेंगे। इसके लिए जल्द एक पोर्टल और एप शुरू होगा, जिसमें लोग खुद के स्तर पर जानकारी अपलोड कर सकेंगे। हालांकि उस जानकारी को जनगणना के काम में लगे कर्मचारी वेरिफाई करेंगे। इसके लिए आमजन को पोर्टल पर 1 मई से 15 मई तक का समय मिलेगा। स्व गणना 15 दिन में पूरा होने के बाद सरकारी कर्मचारियों की टीम घर-घर जाकर हाउस लिस्टिंग करेगी। पहले फेज की जनगणना में केवल मकान लिस्ट किए जाएंगे। अगले साल लोगों की गिनती होगी। पहली बार जातीय जनगणना भी होगी। दूसरे फेज की अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी। देशभर में जनगणना-2027 का कार्यक्रम इसी साल शुरू होगा। ये काम राज्य अपने हिसाब से अलग-अलग समय शुरू करेंगे। राजस्थान में

मई से शुरुआत होगी।

जनगणना में पूछे जाएंगे 33 सवाल, अधिसूचना जारी

जनगणना के पहले फेज के लिए केंद्र सरकार ने 33 सवाल तय किए हैं, जिसकी अधिसूचना जारी कर दी है। जनगणना अधिकारी घर-घर जाकर सवाल पूछेंगे और ऑनलाइन दर्ज करेंगे। जनगणना में मकान के मालिकाना हक से लेकर घर पक्का या कच्चा है, इसके बारे में पूछा जाएगा। आपके पास मोबाइल, स्मार्टफोन, लैपटॉप, इंटरनेट सुविधा है या नहीं इस पर सवाल होगा। आप अनाज किस तरह का खाते हैं। खाना किससे पकाते हैं। रसोई में खाना पकाते हैं या बाहर, इस पर सवाल है।

जनगणना में लगे कर्मचारियों के ट्रांसफर नहीं हो सकेंगे

जनगणना पूरी होने तक (अगले करीब सवा साल तक) लाखों कर्मचारियों के ट्रांसफर पर रोक लग गई है। कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, शहरी निकायों के आयुक्त, जनगणना में प्रगणक लगे शिक्षक, पटवारी, ग्राम सचिव को दायरे में रखा है। फरवरी में जनगणना से जुड़े अफसर कर्मचारियों की ट्रेनिंग शुरू हो रही है। जनगणना के काम में 2 लाख से अधिक कर्मचारी-अफसरों की ड्यूटी लगेगी। घर-घर जाकर जनगणना करने के काम में करीब 1.60 लाख प्रगणक लगाए जाएंगे। करीब 30 से 40 हजार सुपरवाइजर और अन्य अफसर रहेंगे। जनगणना से जुड़े कर्मचारियों के ट्रांसफर केवल असाधारण परिस्थितियों में ही हो सकेंगे।

बस स्टैंड पर आम मुसाफिर की तरह बैठे दिखे सांसद अमराराम, सादगी ने फिर जीता दिल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर/सीकर।

राजनीति जहां आजकल वीआईपी कल्चर, प्रोटोकॉल और लंबी गाड़ियों से पहचानी जाती है, वहीं सीकर संसदीय क्षेत्र के सांसद कॉमरेड अमराराम ने एक बार फिर अपनी सादगी से सबका ध्यान खींच लिया। सोमवार रात करीब 10 बजे जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड पर सांसद अमराराम को आम यात्रियों की तरह बस का इंतजार करते देखा गया। सफेद कुर्ता-पायजामा, हाथ में बैग और चेहरे पर शांत भाव – न कोई तामझाम, न कोई सुरक्षा घेरा।

सांसद, लेकिन सफर सरकारी बस से

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सांसद अमराराम सरकारी रोडवेज बस से ही यात्रा करते हैं और सांसदों के लिए आरक्षित सीट का ही उपयोग करते हैं। बताया जाता है कि जब उन्होंने पहली बार रोडवेज में सांसद पास के लिए आवेदन किया था, तब कर्मचारी तक हैरान रह गए थे कि देश के सबसे बड़े सदन का सदस्य बस से सफर करेगा – ऐसा भी कोई सांसद होता है?

मंच से नहीं, जमीन से पहचाने जाते हैं

स्थानीय लोगों का कहना है कि अमराराम उन नेताओं में हैं जो भाषणों और मंचों से ज्यादा अपने जमीनी जुड़ाव के लिए जाने जाते हैं। राजनीति में आने से पहले वे ग्राम स्तर से जुड़े रहे हैं और सरपंच के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। संघर्षों से निकलकर संसद तक पहुंचे अमराराम की सादगी किसी रणनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि उनका स्वभाव है।

सादगी बनी पहचान

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आज के दौर में जब राजनीति सुविधाओं और प्रोटोकॉल से मापी जाती है, ऐसे दृश्य जनता को सोचने पर मजबूर करते हैं। एक सांसद का बस स्टैंड पर आम मुसाफिर की तरह बैठना न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत सादगी को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि जनप्रतिनिधि चाहें तो सत्ता में रहते हुए भी आम आदमी की तरह जीवन जी सकते हैं।

जनता में चर्चा का विषय

सिंधी कैंप बस स्टैंड पर मौजूद यात्रियों और कर्मचारियों के बीच यह दृश्य चर्चा का विषय बन गया। कई लोगों ने कहा कि ऐसे नेता ही वास्तव में 'ज़मीन से जुड़े जनप्रतिनिधि' कहलाने के हकदार होते हैं। सांसद अमराराम का यह अंदाज़ एक बार फिर साबित करता है कि पद बड़ा हो सकता है, लेकिन व्यक्तित्व अगर सादा हो, तो वही सबसे बड़ी पहचान बन जाता है।

जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल शनिवार को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । हर वर्ष की भांति इस बार भी रेवाड़ी जिला मुख्यालय सहित उपमंडल कोसली व बावल में गणतंत्र दिवस समारोह गरिमामयी व भव्य तरीके से मनाया जाएगा। रेवाड़ी जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन रेवाड़ी में 26 जनवरी को मनाए जाने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के लिए विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने एडीसी राहुल मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में परेड, मार्च पास्ट, पीटी व डंबल शो सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास किया।

गुरुवार को एडीसी राहुल मोदी ने प्रतिभागियों द्वारा किए गए पूर्वाभ्यास का निरीक्षण करते हुए टीम इंचार्ज को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागी 26 जनवरी को बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे जिसकी बानगी अब पूर्वाभ्यास में देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन गरिमामयी ढंग से होगा। गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल शनिवार, 24 जनवरी को डीसी अभिषेक मीणा की अध्यक्षता में आयोजित होगी। गणतंत्र दिवस के

एडीसी राहुल मोदी की उपस्थिति में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रमों व मार्च पास्ट का पूर्वाभ्यास

अवसर पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम देशभक्ति से ओतप्रोत सहित प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद होंगे। एडीसी ने बताया कि इस बार रेवाड़ी जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में हरियाणा के खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता मंत्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि होंगे। वहीं उपमंडल बावल में आयोजित होने वाले उपमंडल स्तरीय समारोह में विधायक बावल डा. कृष्ण कुमार तथा उपमंडल कोसली में विधायक कोसली अनिल यादव बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय ध्वज फहराने उपरांत परेड का निरीक्षण करेंगे और मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। पुलिस लाइन रेवाड़ी के प्रांगण में आयोजित रिहर्सल में जिला शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रदीप दहिया, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की नोडल अधिकारी एवं कार्यवाहक प्राचार्या डा. ज्योत्सना यादव व प्रवक्ता पूनम यादव की देखरेख में प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित अन्य गतिविधियों का अभ्यास किया जा रहा है। समारोह के लिए मंच संचालन का दायित्व प्राचार्य एवं साहित्यकार सत्यवीर नाहडिया द्वारा निभाया जाएगा।

झुंझुनूं CMHO का औचक निरीक्षण, खेतड़ी व बुहाना अस्पतालों की रात्रिकालीन सेवाएं परखी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने गुरुवार देर शाम बिना किसी पूर्व सूचना के खेतड़ी उपजिला अस्पताल और इसके बाद बुहाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इमरजेंसी सेवाओं, वार्डों की व्यवस्थाओं और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जमीनी हकीकत परखी।

खेतड़ी में इमरजेंसी यूनिट का निरीक्षण

सीएमएचओ डॉ. गुर्जर ने निरीक्षण की शुरुआत उपजिला अस्पताल खेतड़ी से की। यहां उन्होंने सबसे पहले इमरजेंसी यूनिट का जायजा लिया, जहां ड्यूटी पर तैनात स्टाफ मुस्तैद मिला। उन्होंने वार्डों में भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत कर दवाइयों और उपचार के बारे में फीडबैक लिया। मरीजों ने बताया कि उन्हें सभी दवाइयां और इलाज अस्पताल से ही निशुल्क मिल रहा है, बाहर से दवा नहीं मंगवाई गई। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने पीएमओ डॉ. अक्षय शर्मा को निर्देश दिए कि 'माँ योजना'

के तहत जागरूकता और कवरेज बढ़ाया जाए, अस्पताल में प्रसव (डिलीवरी) की संख्या में वृद्धि के प्रयास किए जाएं तथा 'लाडो योजना' से संबंधित लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्तारण किया जाए।

बुहाना में प्रसूताओं से लिया कलेवा योजना का फीडबैक

खेतड़ी के बाद सीएमएचओ डॉ. गुर्जर बुहाना सीएचसी पहुंचे। यहां उन्होंने रात्रिकालीन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और विशेष रूप से प्रसूति वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने नवजात शिशुओं की माताओं से बातचीत कर भोजन, दवाइयों और देखभाल के बारे में पूछा। प्रसूताओं ने बताया कि उन्हें समय पर भोजन और सभी आवश्यक दवाइयां अस्पताल से ही मिल रही हैं। सीएमएचओ ने उन्हें जानकारी दी कि 'कलेवा योजना' के तहत सरकार द्वारा प्रसूताओं को निशुल्क पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने कहा कि आने वाले दिनों में भी रात्रिकालीन सेवाओं के औचक निरीक्षण जारी रहेंगे। यदि कहीं भी ड्यूटी में लापरवाही या मरीजों को अनावश्यक परेशान करने की शिकायत मिली तो संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैंक एग्जाम में इंग्लिश की तैयारी के टिप्स

बैंकिंग या अन्य सरकारी जॉब पाने के इच्छुक युवाओं को रिटन टेस्ट व इंटरव्यू के दौर से गुजरना ही होता है। ऐसी परीक्षाएं मुख्य रूप से ऑब्जेक्टिव टाइप होती हैं और उनमें 4 से 5 पेपर होते हैं। इनमें इंग्लिश लैंग्वेज पेपर भी होता है, जिसमें आप सही तरह से तैयारी करके काफी अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

इंग्लिश के पेपर में इंग्लिश कॉम्प्रिहेंशन, ग्रामेटिकल स्किल्स तथा वोकैब्युलरी स्किल्स को परखने के लिए प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रश्न इस तरह सेट किए जाते हैं कि आपके अंगरेजी ज्ञान को अच्छी तरह जांचा जा सके। आम तौर पर यह पेपर 40 अंक का होता है और इसमें वोकैब्युलरी सेक्शन प्रमुख होता है। इसी से सबसे ज्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं। उम्मीदवार की वोकैब्युलरी स्किल्स को जांचने के लिए एंटॉनिम्स, सिनॉनिम्स, कॉमन एरर्स, मिसस्पेल्ट वर्ड्स एंड फेजेस से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। इन्हें हल करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार को भाषा की अच्छी समझ हो। एक नजर डालते हैं वोकैब्युलरी सेक्शन में अच्छा स्कोर करने के लिए जरूरी बातों पर।

पढ़ने की आदत

अपनी वोकैब्युलरी सुधारने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि लगातार इंग्लिश पढ़ते रहें। चाहे अखबार हों या मैग्जीन, ब्लॉग हों या वेबसाइट या फिर किताबें... आपको चाहिए कि आप जहां, जो मिले, उसे पढ़ डालें। जो भी पढ़ें, उसमें नए शब्दों और वाक्यों में उनके प्रयोग पर गौर करें।

नए शब्द सीखें

जब भी, जो भी नया शब्द दिखे, उसका अर्थ डिक्शनरी में देखें। इससे आपकी वोकैब्युलरी सुधरेगी और आपका शब्द भंडार समृद्ध होगा।

लिखते रहें

पढ़ने के साथ ही लिखने की आदत भी डालें। लिखने का अभ्यास भाषा पर आपकी पकड़ को मजबूत करेगा। इससे, जब आप कंपोजिशन लिखेंगे, तो नए शब्दों का प्रयोग करना आपके लिए आसान हो जाएगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।
किताबें, मैग्जीन आदि पढ़ना अच्छी बात है लेकिन इसके साथ ही आपको इंग्लिश फिल्में, टीवी सीरियल व नाटक भी देखने चाहिए और इंग्लिश गाने भी सुनने चाहिए। कुल मिलाकर, भाषा को जिस भी रूप में ग्रहण कर सकते हैं, करें। इससे आप और वृहद स्तर पर भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

प्रैक्टिस करें

अनेक कॉम्पिटिशन गाइड बुक्स में इंग्लिश लैंग्वेज के मॉक टेस्ट पेपर तथा सैंपल क्वेश्चन पेपर उपलब्ध होते हैं। इन्हें हल करते रहने से भी आपको काफी मदद मिलेगी। आपको परीक्षा के वोकैब्युलरी सेक्शन के बारे में भी अंदाजा हो जाएगा और नए शब्द व वाक्य भी सीखने को मिलेंगे।

ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन

अगर आप देश-दुनिया की सैर करने के शौकीन हैं और किसी करियर के तलाश में हैं, तो आप ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन को चुन सकते हैं।

अक्सर हम पढ़ाई या अपने करियर में ऐसी स्थिति पर आकर खड़े हो जाते हैं जब कुछ समझ नहीं आता है। किस दिशा में करियर बनाया जाए, इस बात को लेकर कुछ लोग काफी कंफ्यूज रहते हैं। सब लोग अलग-अलग राय दे रहे होते हैं। ऐसे में, समझ नहीं आता कि क्या करना कितना सही होगा। जबकि, आज का समय सिर्फ कोर्स या डिग्री तक ही सीमित नहीं है। अगर, आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसमें भी अपना करियर देख सकती हैं। पर, आज हम बात कर रहे हैं ट्रैवलिंग में करियर बनाने की। यदि आप घूमने-फिरने की शौकीन हैं और अक्सर सैर-सपाटे पर निकलते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में भी अपना करियर देख सकती हैं। चलिए आज हम आपको ट्रैवल से जुड़े कुछ करियर की ऑप्शन के बारे में बताते हैं।

टूर गाइड में बनाएं करियर

अगर आपको जगह-जगह पर घूमने और उसके बारे में जानने में दिलचस्पी है, तो आप टूर गाइड में अपना करियर बना सकती हैं। इसके लिए आपको नई जगहों की जानकारी होने के साथ ही कहानी कहने का हुनर भी आना चाहिए।
दरअसल, टूर गाइड का काम पर्यटकों को विभिन्न पर्यटन स्थलों की जानकारी देना और उससे जुड़े इतिहास के बारे में बताना होता है। ऐसे में, आपको इन स्थलों के इतिहास की जानकारी होने के साथ उसे बताने का तरीका भी आना चाहिए, ताकि लोगों को आपकी बताई गई बातें आसानी से समझ आए।

ट्रैवल एजेंट की नौकरी भी कर सकते हैं आप

ट्रैवल एंड टूरिज्म के क्षेत्र में ट्रैवल एजेंट की नौकरी को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इस नौकरी के लिए आपके अंदर मैनेजमेंट और बजट स्किल का होना जरूरी है। ट्रैवल एजेंट का काम लोगों के लिए बढ़िया ट्रिप खोजना और उसके लिए टूर या ट्रैवल पैकेज तैयार करना होता है। इसमें रिसॉर्ट्स की बुकिंग से लेकर खाने-पीने और घूमने तक पूरा वैकेशन पैकेज तैयार किया जाता है।

ट्रैवल फोटोग्राफी है बेस्ट ऑप्शन

अगर आप ट्रैवल की शौकीन हैं, तो आप ट्रैवल फोटोग्राफर भी बन सकते हैं। इसके साथ ही आप अपना पर्सनल पेज बना सकते हैं, जिसमें कुछ क्रिएटिव फोटोग्राफ क्लिक करके अपलोड कर सकते हैं। आप एक फ्रीलांस ट्रैवल फोटोग्राफर के रूप में काम कर सकते हैं। अपने काम को अलग-अलग ब्रैंड और कंपनियों को बेच सकते हैं। इसके अलावा, आप किसी ट्रैवल कंपनी या प्रकाशन के लिए भी काम कर सकते हैं।

चुनौती भरा कॅरियर मेडिकल लैब टेक्निशियन

लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।
आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में क्लिनिक्ल प्रयोगशाला एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। छोटी से छोटी बीमारी के लिए डॉक्टर मरीजों का विभिन्न तरह की जांच कराते हैं, ताकि असली मर्ज और उसकी स्थिति का पता चल सके। ऐसे में सही इलाज और दवा के लिए क्लिनिकल प्रयोगशाला की भूमिका अहम हो जाती है। ऐसी प्रयोशालाओं पर काम करने के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की जरूरत होती है। इन प्रशिक्षित तकनीशियनों को चिकित्सा के क्षेत्र में मेडिकल लेबोरेट्री टेकनोलॉजिस्ट (एमएलटी) कहा जाता है। एमएलटी की पढ़ाई में बायो केमेस्ट्री, माइक्रोबायलॉजी और ब्लड बैंकिंग शामिल हैं। एमएलटी शरीर में खून, खून के प्रकार, सेल और अन्य की अवस्थाओं का विश्लेषण करता है।

नेचर ऑफ वर्क

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लेबोरेट्री में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टेक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

कोर्स के दौरान क्या पढ़ें

डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह के मुताबिक मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकेमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवारमेंट एंड बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी एंव अस्पताल प्रषिक्षण की पढ़ाई जाती है।

कोर्स एवं योग्यता

सर्टिफिकेट इन मेडिकल लैब टेक्नालॉजी (सीएमएलटी) यह छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक साल। 12वीं में प्रमुख विशय के रूप में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी) तथा फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (पीसीएम) के साथ पास होना अनिवार्य है। बीएससी इन एमएलटी के लिए 12वीं विज्ञान विशयों के साथ तो उत्तीर्ण होना जरूरी है ही साथ ही इस कोर्स की अवधि है तीन वर्श। एमएससी इन मेडिकल लेबोरेटी टेक्नोलॉजिस्ट (एमएलटी) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोसमा होना चाहिए। इसके बाद दो साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कॉलेज, टेक्निक्ल स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

कहां कहां है अवसर

मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है। छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लेबोरेट्री कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है। प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मेडिकल लेबोरेट्री, हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी डिमांड रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टेंट के अलावा खुद का क्लिनिक खोल सकते हैं ऐसा कहना है डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह का।

आमदनी

सामान्य तौर पर एक एमएलटी का वेतन दस हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार से चालीस हजार तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफ ा होता चला जाता है। देष के साथ साथ विदेषों में भी इनकी खासी डिमांड है।

प्रमुख संस्थान

- डेल्ही पारामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (डीपीएमआई), नई दिल्ली
- षिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पारा मेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, पष्चिम बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।

पहली जॉब ज्वॉइन करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

यह सच है कि पहली जॉब अपने साथ एक उमंग लेकर आता है। लेकिन इस उमंग और उत्साह के बीच आपको अपनी समझदारी को नहीं खोना चाहिए। चूंकि आप अभी-अभी अपने प्रोफेशनल जीवन की शुरूआत कर रहे हैं, इसलिए आपको कई बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। याद रखें कि एक अच्छी जॉब मिलना जितना मुश्किल है, उससे भी कठिन है उसमें बने रहना और समय के साथ ग्रोथ करना। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बता रहे हैं, जो पहली जॉब में आपको ग्रोथ करने में मदद करेंगे-

जॉब आपके अनुकूल है या नहीं

कुछ लोगों के मन में अपनी प्रोफेशनल लाइफ को शुरू करने को लेकर इतना उत्साह होता है कि वह अन्य कुछ भी सोचना नहीं चाहते। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। जब आप अपनी जॉब ज्वॉइन कर रहे हैं तो यह अवश्य देखें कि ऑफिस आपके घर से कितना दूर है। क्या आप हर दिन सुविधापूर्वक ऑफिस जा सकते हैं। इसके अलावा, आपके काम की टाइमिंग क्या है। हर छोटे-बड़े पहलू पर ध्यान देकर ही जॉब ज्वॉइन करें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको तनाव होने लगेगा।

सीखते रहने पर दें जोर

कुछ लोग जॉब शुरू करते हैं तो उनके कोई खास टास्क दिया जाता है और वह केवल उसे ही करते चले जाते हैं। लेकिन आपको यह ध्यान देना चाहिए कि यह आपकी पहली जॉब है और इसलिए ऐसा बहुत कुछ है, जिसे अभी सीखा जाना बाकी है। इसलिए, जब आप अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रख दें, तब भी अपने सीखने के प्रोसेस को स्टॉप ना करें। ऑफिस के अलावा इंटरनेट, किताबों व शॉर्ट टर्म कोर्सेस के जरिए ऐसी चीजें सीखने की कोशिश करें, जो आपको एक अच्छी ग्रोथ दे सकें।

ऑफिस वियर का ध्यान रखना

जो लोग अपनी फर्स्ट जॉब में होते हैं, वह अक्सर प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बेहद सजग नहीं होते। खासतौर से, जिन ऑफिस में ड्रेस कोड नहीं होता है, वहां पर अक्सर न्यूकमर्स कुछ भी पहन लेते हैं। जबकि आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। ध्यान दें कि इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज डैमेज होती है। भले ही यह आपकी पहली जॉब है, लेकिन फिर भी आपको अपने आउटफिट से लेकर बातचीत करने के अंदाज यहां तक कि बॉडी लैंग्वेज आदि हर चीज का ख्याल रखना चाहिए। यह सभी चीजें आपके करियर को बहुत अधिक इफेक्ट करती हैं।

कंपनी पॉलिसी को करें चेक

अगर नई जॉब ज्वॉइन करते समय आप कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि आप सभी नियमों व कंपनी पॉलिसी को अवश्य पढ़ें। अक्सर पहली जॉब में लोग इसे पढ़ना जरूरी नहीं समझते। लेकिन वास्तव में यह बेहद अहम् है। कभी-कभी कंपनी के ऐसे कुछ नियम होते हैं, जो बाद में आपके लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। इसके अलावा, आपको कंपनी की सोशल मीडिया पॉलिसी भी अवश्य चेक करनी चाहिए। दरअसल, इन दिनों कई कंपनियां काम के घंटों में कर्मचारियों को सोशल मीडिया साइट्स चलाने की अनुमति नहीं देती हैं। ऐसे में अगर आप उस समय सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करते हैं तो यह आपके काम व जॉब के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है।

दौलतपुरा विद्यालय में शैक्षणिक उत्सव निपुण मेला, मेगा पीटीएम व ईएलसी गतिविधियों के साथ होगा आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लाखेरी बूंदी।

विष्णु प्रसाद बैरवा । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दौलतपुरा में दिनांक 23 जनवरी 2026 को शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत शैक्षणिक उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय में निपुण मेला, मेगा पीटीएम, चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) की गतिविधियां तथा कृष्णा भोज जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्य कृष्णा कुमारी गुप्ता द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) अध्यक्ष मनी राम मीणा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता तथा लोकतांत्रिक जागरूकता का प्रसार करना है।

निपुण मेला : पीईईओ क्षेत्र के सभी विद्यालय होंगे सहभागी

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित होने वाले निपुण मेले में पीईईओ क्षेत्र के समस्त राजकीय एवं संबंधित विद्यालयों की सहभागिता रहेगी। कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थी भाषा, गणित एवं जीवनोपयोगी दक्षताओं से संबंधित गतिविधियों का प्रदर्शन करेंगे। विद्यार्थी टीएलएम, चार्ट, मॉडल एवं खेल-आधारित शिक्षण सामग्री के माध्यम से अपनी सीख प्रस्तुत करेंगे। निपुण मेले का संचालन निपुण मेला प्रभारी श्री अमर सिंह बैरवा द्वारा किया जाएगा।

मेगा पीटीएम : अभिभावक-विद्यालय संवाद

मेगा पीटीएम के अंतर्गत विद्यालय की सभी कक्षाओं के कक्षा अध्यापक अपने-अपने विद्यार्थियों के अभिभावकों से संवाद करेंगे। इस दौरान बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, उपस्थिति, निपुण लक्ष्य एवं व्यवहारिक विकास की जानकारी दी जाएगी तथा अभिभावकों से घर पर नियमित अध्ययन सहयोग देने का आग्रह किया जाएगा।

ईएलसी गतिविधियाँ : लोकतांत्रिक जागरूकता

विद्यालय में संचालित चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) के अंतर्गत मतदाता जागरूकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों से संबंधित गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। ईएलसी प्रभारी श्री अमर सिंह बैरवा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को मतदान का महत्व, मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया, ईवीएम/वीवीपैट की जानकारी तथा निष्पक्ष चुनाव की अवधारणा से अवगत कराया जाएगा।

कृष्ण भोगः सहभागिता एवं संस्कार

कार्यक्रम के अंत में कृष्ण भोज का आयोजन किया जाएगा, जिसके प्रभारी गोपाल महावर रहेंगे। इस आयोजन में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं विद्यालय स्टाफ की सहभागिता रहेगी। विद्यालय प्रशासन द्वारा क्षेत्र के समस्त अभिभावकों, पीईईओ क्षेत्र के विद्यालयों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया है।

नीमराना की ग्राम पंचायत बिचपुरी में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सात परिवारों को मिला अपने पक्के घर का सुख

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना की पंचायत समिति के ग्राम पंचायत बिचपुरी के पीपली गांव में आज एक खुशियों भरा दिन मनाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत सात गरीब परिवारों के पक्के मकानों का निर्माण पूरा हुआ, जिसके बाद विधिवत रूप से गृह प्रवेश करवाया गया। इस अवसर पर महिलाओं का विशेष सम्मान किया गया और पारंपरिक स्वागत के साथ सरकार की इस कल्याणकारी योजना के तहत निर्मित आवासों का उद्घाटन किया गया। प्रशासन द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में लाभार्थी परिवारों की महिलाओं को श्रीफल (नारियल) भेंट कर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने परिवारों का मुंह मीठा करवाया और फीता काटकर उन्हें नए घरों की चाबियां सौंपी। अपने पक्के घर की चौखट पर कदम रखते ही लाभार्थी परिवारों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ नजर आया।

इस कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में विकास कार्यों का जायजा लिया गया और लाभार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी ओम प्रकाश निर्मल, सहायक विकास अधिकारी अभय सिंह यादव, कनिष्ठ सहायक लीलाराम चौधरी, सुधा यादव, एमआईएस सुभाष रैबारी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुखबीर सिंह, सहायक कर्मचारी कैलाश शर्मा और ग्रामीण पालाराम उपस्थित रहे। इस पहल से न केवल सात परिवारों को अपने सपनों का घर मिला, बल्कि ग्रामीण विकास और महिलाओं के सम्मान को भी बढ़ावा मिला, जो समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

पूर्व सांसद डीपी यादव का बहरोड़ में कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा और भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । बहरोड़ मे दिल्ली से सीकर के खंडेला जाते समय दिल्ली जयपुर हाईवे स्थित प्रिंस होटल पर उत्तर प्रदेश के पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री डीपी यादव का गुरुवार शाम को समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। यहां उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं से राजस्थान की राजनीति और सामाजिक विकास के विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और क्षेत्र की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में नीमराणा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष केजी शर्मा, रुक्मणि कौशिक, हरपाल सिंह यादव, राजपाल यादव, मुरारीलाल सरपंच, कुलदीप यादव, एडवोकेट विजय सिंह, धर्मपाल मास्टर, बाबूलाल, पवन कुमार, राहुल, मनोज गुर्जर, विपिन शर्मा, राजेश खिलाड़ी सहित होटल जीएम मनीष कुमार यादव जैसे प्रमुख लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने डीपी यादव के योगदान की सराहना की और क्षेत्रीय विकास पर उनके सुझावों को महत्व दिया। यह दौरा स्थानीय राजनीति और सामाजिक गतिविधियों में नई ऊर्जा भरने वाला साबित हो सकता है, जहां यादव ने कार्यकर्ताओं को संगठित रहने और जनसेवा पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

आदिवासी मीना महिला संघ की प्रथम मीटिंग सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

सुमेर मीणा । गुरुवार को आदिवासी मीना महिला विकास संघ सीकर की जिलाकार्यकारिणी की प्रथम मीटिंग जिलाध्यक्ष अनीता मीना की अध्यक्षता में सीकर के तोदीनगर में सम्पन्न हुई। मीटिंग में पिछले वर्ष जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष मंजू जेफ़ की अध्यक्षता में आयोजित प्रथम आदिवासी मीना महिला पंचायत में लिए गए सभी फैसलों को धरातल पर लागू करने की वचनबद्धता जताई गई। जिला महासचिव संतोष मीना ने बताया कि सामाजिक कुरूतियां तथा युवाओं में बढ़ती नशे की लत मीना समाज के विकास में सबसे बड़ी बाधा हैं। युवाओं को नशे से दूर रहने तथा उच्च शिक्षा पर फ़ोकस करने के लिए जिले के सभी तहसील मुख्यालयों पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मृत्युभोज सामाजिक अभिशाप के साथ ही कानूनी अपराध भी है अतः इसे पूरी तरह रुकवाया जाएगा और समाज सुधारों की कड़ियों को आगे बढ़ाया जाएगा। मीटिंग में निर्मला मीना संरक्षक, संतोष मीना महासचिव, मंजू मीना सचिव, मोना मीना कोषाध्यक्ष, कमला देवी सह कोषाध्यक्ष, भंवरी मीना, लक्ष्मी देवी तथा कांता मीना कार्यकारी सदस्य इत्यादि शामिल हुई।

स्किल डेवलपमेंट के लिए हरियाणा सरकार की नई पहल : डीसी

सरकारी आईटीआई लाइब्रेरी और वर्कशॉप का उपयोग कर सकेंगे आम नागरिक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । हरियाणा सरकार द्वारा कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय हरियाणा के माध्यम से आम नागरिकों के लिए एक विशेष ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया है, जिससे आमजन सरकारी आईटीआई की लाइब्रेरी और वर्कशॉप की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार लगातार जनता के हित में काम कर रही है। प्रदेश सरकार के द्वारा यह एक नई पहल की गई है, जिसके माध्यम से आम नागरिक आईटीआई की वर्कशॉप और उसमें जितने भी इक्विपमेंट और टूल है उनका इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके साथ-साथ वहां की लाइब्रेरी का भी इस्तेमाल कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि कोई भी नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से इस सेवा का लाभ उठा सकता है।

स्किल डेवलपमेंट को मिलेगी नई दिशा

डीसी ने बताया कि इस सुविधा का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण एडवांस बुकिंग के तहत किया गया है ताकि किसी को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर पंजीकरण के बाद ही इसका लाभ उठाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की स्किल डेवलपमेंट को एक नई दिशा प्रदान करने के लिए यह पोर्टल एक ऐतिहासिक पहल का काम करेगा। उन्होंने बताया कि नागरिकों को सरकारी आईटीआई की लाइब्रेरी और वर्कशॉप की सुविधा का लाभ लेने के लिए httpsÑ//iti-haryana.gov.in/ पर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

SMS स्कूल ने निकाली बन्दोरी व 3 लाख 11 हजार रुपए का किया कन्यादान

अमृत दर्जी की बिंदोरी का ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह हुआ स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । SMS स्कूल उदयपुरवाटी ने एक अनूठी पहल करते हुए अध्यापिका अमृता दर्जी के लिए उनके गाँव चिराना में डीजे और रथ पर बैठाकर मुख्य बाजार में भव्य बन्दोरी का आयोजन किया। मातृ-पितृ विहीन SMS परिवार की सदस्या अमृता को SMS परिवार ने 3 लाख 11 हजार रुपए का कन्यादान कर सम्मानित किया। परिवारजनों और ग्रामवासियों ने एसएमएस विद्यालय की इस अनूठी पहल के लिए बहुत प्रशंसा की। बन्दोरी का जगह-जगह ग्रामवासियों द्वारा सम्मान किया गया। संस्थान

सचिव श्रीमान बंशीधर चौधरी, प्रधानाचार्य प्रभुदयाल सैनी और अध्यक्ष रामावतार सैनी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस बंदोरी में विद्यालय का समस्त स्टाफ, परिवारजन और ग्रामवासी शामिल हुए।

द बौहराज ग्लोबल स्कूल महवा में विशेष प्रार्थना सभा का हुआ आयोजन

रामलला प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर संस्कारों की दी गई सीख।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । द बौहराज ग्लोबल स्कूल, महवा में रामलला प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें आस्था, संस्कार और राष्ट्रबोध का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर पूरी तरह आध्यात्मिक वातावरण में सराबोर नजर आया, जहाँ विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। विशेष प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों को भगवान राम के जीवन चरित्र, उनके आदर्श आचरण, कर्तव्यनिष्ठा, मर्यादा और समाज के प्रति उत्तरदायित्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि भगवान राम का जीवन सत्य, सेवा, त्याग और अनुशासन का प्रतीक है, जो आज के सामाजिक और शैक्षणिक परिवेश में विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकता है। राम के आदर्श न केवल व्यक्ति निर्माण की दिशा तय करते हैं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देते हैं। विद्यालय प्रबंधन की ओर से यह संदेश दिया गया कि शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश ही विद्यार्थियों को जीवन में स्थायी सफलता की ओर ले जाता है। इसी भाव के साथ विद्यार्थियों से अपेक्षा जताई गई कि वे भगवान राम के आदर्शों को अपने व्यवहार, अध्ययन और सामाजिक जीवन में अपनाकर निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ें। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक विनय बोहरा, निदेशक विकास बोहरा, प्राचार्य राजेश पुनीत, उप-प्राचार्य श्वेता राणा नेगी, एकेडमिक इंचार्ज गिरवर यादव सहित सभी विषयाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं विद्यालय स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस आयोजन को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी पहल बताया।

देश की सबसे युवा विधायक के लक्ष्मनगढ आगमन पर भाजपा नेता जगदीश सैनी ने किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

बिहार विधानसभा चुनाव में अलीनगर से विधायक चुनी गई व देश में सबसे युवा विधायक का खिताब अपने नाम करने वाली विधायक मैथिली ठाकुर अपनी निजी यात्रा पर बुधवार को मोदी यूनिवर्सिटी आई। इस दौरान लक्ष्मनगढ में स्वादिष्ट भोजन व लजीज व्यंजन के लिए जाने पहचाने वाले रेस्टोरेंट एलीफेंट ट्रीट पहुंच कर विधायक मैथिली ठाकुर ने खाने का स्वाद चखा। इस अवसर पर एलीफेंट ट्रीट के संचालक शहर भाजपा महामंत्री जगदीश प्रसाद सैनी के नेतृत्व में रेस्टोरेंट के संचालक मंडल व स्टाफ ने विधायक ठाकुर का स्वागत किया। विधायक ठाकुर ने रेस्टोरेंट के खाने की सराहना की। उल्लेखनीय है कि सियासत में कदम रखने वाली मैथिली ठाकुर लोक गायिका हैं । देश के सबसे युवा विधायक का खिताब मैथिली ठाकुर

को मिला है, जो बिहार के अलीनगर निर्वाचन क्षेत्र से 25 साल की उम्र में विधायक बनी हैं। उन्होंने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। मैथिली ठाकुर एक लोक गायिका हैं और उन्होंने राजनीति में आने से पहले संगीत में अपनी पहचान बनाई थी।

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की पांचवीं किशत का डीबीटी से हस्तांतरण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की किसानों को पांचवीं किश्त जारी

जिला परिषद सभागार में हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम, जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग रहे मौजूद

जिले में ग्राम उत्थान शिविरों की शुरुआत आज से , हर गिरदावर सर्किल में होंगे ग्राम उत्थान शिविर

जिले के किसानों के खातों में 21 करोड़ 58 लाख 93 हजार रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि हस्तांतरण का जिला स्तरीय कार्यक्रम गुरुवार को जिला परिषद सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान सिरोही जिले के अरविंद पैवेलियन स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया, जिसे बड़ी संख्या में किसानों व जनप्रतिनिधियों ने देखा। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसान उत्थान के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष तीन हजार रुपये की सहायता राशि दी जा रही है। योजना की पांचवीं किश्त के रूप में एक हजार रुपये की राशि को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किसानों के खातों में हस्तांतरित की गई। कार्यक्रम के दौरान झुंझुनूं जिले के 2 लाख 15 हजार 893 पात्र लाभार्थियों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की पांचवीं किश्त के रूप में कुल 21 करोड़ 58 लाख 93 हजार रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई।

इसी क्रम में राज्यभर में ग्रामोत्थान शिविरों का भी शुभारम्भ किया गया। जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने बताया कि ग्रामोत्थान शिविरों का आयोजन जिले में प्रत्येक गिरदावर सर्किल स्तर पर 23 जनवरी 2026 से 9 फरवरी 2026 तक विभिन्न तिथियों में किया जाएगा। इन शिविरों में राज्य सरकार के 12 विभागों द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ राजेंद्र लांबा, एसीएम सुप्रिया कालेर, केंद्रीय सहकारी बैंक के संदीप शर्मा, अजय चाहर सहित किसान, जनप्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहें।

सिंघानिया शिक्षा समूह के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन, दो छात्रों ने जीते कांस्य पदक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

सिंघानिया विश्वविद्यालय एवं नर्मदा देवी सिंघानिया इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान और जिले का नाम रोशन किया है। सिंघानिया विश्वविद्यालय के बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम के छात्र जयिंदर भारद्वाज ने ऑल इंडिया इंटर एसएआई कुश्ती प्रतियोगिता 2026 में 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता भारतीय खेल प्राधिकरण (स्त्र्ह) के नॉर्थ रीजनल सेंटर, लखनऊ में आयोजित की गई। जयिंदर की यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल भावना का परिणाम मानी जा रही है। इसी क्रम में नर्मदा देवी सिंघानिया इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 12वीं के छात्र पवन सिंह शेखावत ने जम्मू एवं कश्मीर में आयोजित 7वीं राष्ट्रीय क्वान-की-डो चैंपियनशिप 2026 में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। उनकी सफलता विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेलों के सर्वांगीण विकास पर दिए जा रहे विशेष जोर को दर्शाती है। सिंघानिया विश्वविद्यालय एवं नर्मदा देवी सिंघानिया इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधन, संकाय सदस्यों तथा छात्र-छात्राओं ने दोनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना की है। संस्थान प्रबंधन ने कहा कि यह उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि सिंघानिया शिक्षा समूह खेलों के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

3 से 5 फरवरी तक होगा नेशनल पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन कप

विश्वविद्यालय प्रशासन ने जानकारी दी कि खेल प्रोत्साहन की इसी कड़ी में सिंघानिया विश्वविद्यालय में 3 से 5 फरवरी 2026 तक 'नेशनल पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन कप 2026 सह चयन ट्रायल' का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता द्वितीय एशियन थ्रोबॉल चैंपियनशिप (मलेशिया, अप्रैल 2026) के लिए चयन प्रक्रिया का हिस्सा होगी, जिसमें देशभर से खिलाड़ी भाग लेंगे। इन उपलब्धियों और आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन से क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को नई दिशा और अवसर मिलने की उम्मीद है।

पीलीमंदोरी में मुख्यमंत्री के आगमन पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन

ड्यूटी पॉइंट, बेरिकेटिंग, ट्रैफिक व भीड़ नियंत्रण को लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने पीलीमंदोरी में प्रस्तावित मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों से सुरक्षा तैयारियों की जानकारी ली तथा ड्यूटी पॉइंट, बेरिकेटिंग, पार्किंग, ट्रैफिक डायवर्जन एवं भीड़ नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा ड्यूटी में तैनात टीम को निर्देश दिए कि वीआईपी मूवमेंट के दौरान सतर्कता में कोई कमी न रहे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर विशेष नजर रखी जाए तथा प्रवेश मार्गों पर सघन चेकिंग सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने महिला सुरक्षा, आपातकालीन निकासी मार्ग, चिकित्सा सहायता एवं फायर सेफ्टी से संबंधित व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। पुलिस अधीक्षक ने ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिए कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए वैकल्पिक मार्गों की जानकारी समय पर दी जाए तथा कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रखी जाए। उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित रहें और वायरलेस संचार व्यवस्था हर समय सक्रिय रहें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं तथा कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

फतेहाबाद पुलिस का 8 ड्रग इंस्पेक्टरों के साथ संयुक्त अभियान, नशे के खिलाफ कड़ा प्रहार

28 मेडिकल स्टोर, 20 संदिग्ध कन्फेक्शनरी दुकानों व कई खोखों की जांच

एक मेडिकल स्टोर सील, नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशों पर फतेहाबाद पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कड़ा प्रहार करते हुए ड्रग विभाग के साथ संयुक्त रूप से एक विशेष ताबड़तोड़ सर्च अभियान चलाया। इस अभियान के अंतर्गत आठ ड्रग इंस्पेक्टरों की टीम ने पुलिस बल के सहयोग से जिलेभर में व्यापक स्तर पर जांच कार्रवाई की। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में नशीली दवाओं की अवैध बिक्री, बिना लाइसेंस दवा विक्रय, मेडिकल नशे तथा ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी अंकुश लगाना रहा। पुलिस व ड्रग विभाग की संयुक्त टीम ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में नशे से जुड़े संभावित ठिकानों पर विशेष निगरानी रखते हुए सघन जांच की। अभियान के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित 28 मेडिकल स्टोर, 20 संदिग्ध कन्फेक्शनरी दुकानों तथा कई

खोखों की गहनता से जांच की गई। जांच के दौरान मेडिकल स्टोर संचालकों को दवाओं की खरीद-फरोख्त से संबंधित बिल, लाइसेंस, स्टॉक रजिस्टर एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित या नशीली दवाओं की अवैध बिक्री न हो।

विशेष रूप से युवाओं को नशे की गिरफ्त में लेने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखी गई। कन्फेक्शनरी दुकानों और खोखों की भी सघन जांच की गई, ताकि वहां किसी प्रकार की नशीली, प्रतिबंधित अथवा संदिग्ध सामग्री की बिक्री को रोका जा सके। जांच के दौरान टोहाना स्थित जनता मेडिकल स्टोर में गंभीर खामियां पाई गईं। आवश्यक दस्तावेज पूरे न होने तथा नियमों के उल्लंघन को देखते हुए ड्रग इंस्पेक्टर की मौजूदगी में संबंधित मेडिकल स्टोर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया तथा नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई। इसके अतिरिक्त अन्य मेडिकल स्टोर संचालकों को भी सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध गतिविधि पाए जाने पर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फतेहाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के खिलाफ इस प्रकार के संयुक्त अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। पुलिस एवं ड्रग विभाग की टीमें समय-समय पर मेडिकल स्टोर, कन्फेक्शनरी दुकानों एवं अन्य संभावित स्थानों की जांच करती रहेंगी। प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाकर युवाओं को सुरक्षित, स्वस्थ और बेहतर भविष्य प्रदान करना है। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी नशीली दवाओं की अवैध बिक्री या किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस या ड्रग विभाग को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाएगी। फतेहाबाद पुलिस का यह संयुक्त अभियान नशे के खिलाफ एक सख्त और स्पष्ट संदेश है कि जिले में अवैध नशे के कारोबार को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अटेली कस्बे से सटे गांव विजय नगर में मेघवाल जाति के दूल्हे को घोड़ी पर बैठने को लेकर विवाद, गांव में पुलिस तैनात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी

अटेली। अटेली से सटे राजस्थान के बहरोड-कोटपूतली जिले के गांव विजय नगर में मेघवाल जाति के लड़के की निकासी को लेकर राजपुत जाति के कुछ लोग घोड़ी पर बैठने को लेकर विवाह वाले परिवार में भय बना हुआ है। अनुसूचित परिवार द्वारा घोड़ी पर नहीं बैठने को लेकर मांढ़ण थाने में शिकायत दी तो पुलिस ने आपसी विवाद मामला दर्ज कर लिया। हालाकि पुलिस ने पुलिस की तैनाती की हुई है। विजय नगर निवासी मनोज कुमार पुत्र किशन लाल ने बताया कि वह मेघवाल चमार जाति से संबंध रखता है। उसका विवाह 23 जनवरी को हरियाणा के बलाना गांव में निश्चित हुआ है। उसके बड़े भाई सुरेंद्र ने दो दिन पहले घोड़ी पर बैठा कर बनवारा दिया था। गांव के एक राजपूत व्यक्ति ने घोड़ी पर उतार कर विवाद कर दिया। उनके गांव में पुरानी परंम्परा है कि अनुसूचित जाति के परिवार को घोड़ी पर निकासी नहीं निकालने दी जाती है। अगर कोई एससी युवा घोड़ी पर बैठ कर निकासी या बनवारा निकालता है तो कुछ राजपूत बिरादरी के लोग अपनी शान के खिलाफ समझते है। मांढ़णा थाना प्रभारी ने बताया कि मेघवाल जाति के दुल्हे का निकासी व बनवारा अगर परिवार घोड़ी पर निकलना चाहेगा तो निकाला जाएगा। दूल्हे के भाई सुरेंद्र ने बताया कि फरवरी 2006 में उसके विवाह के दौरान गांव में निकासी व बनवारा नहीं निकालने पर तीन थानों व डीएसपी की मौजूदगी में घोड़ी पर बैठाया गया था तथा तब निकासी निकली था। गांव के पढ़ लिखे राजपूत व कानून में विश्वास रखने वाले लोग तो हमारे साथ देते है लेकिन कुछ राजपूत जाति के लोग एससी के दुल्हे द्वारा घोड़ी पर गांव में निकासी निकालना अपनी शान के खिलाफ मानते है। पुलिस व प्रशासन से मांग है कि हमारी सुरक्षा करे।

नीमराना/डूमरोली में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का जश्नः भक्ति और उल्लास के संगम का भव्य समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड के डूमरोली ग्राम पंचायत स्थित दादा वाले जोहड़ के बाबा तुलसीदास मंदिर परिसर में आज भक्ति और उल्लास का संगम देखने को मिला। श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित इस वर्षगांठ समारोह में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रधान बलवान सिंह यादव का भव्य स्वागत इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता और नीमराना पंचायत समिति प्रधान बलवान सिंह यादव उपस्थित रहे। मंदिर परिसर पहुंचने पर ग्रामवासियों और आयोजन समिति ने प्रधान का माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। श्रीराम के आदर्शों पर चलने का संदेश समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान बलवान सिंह यादव ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम हमारे जीवन में संस्कारों और आदर्शों के आधार हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसे धार्मिक आयोजन केवल आस्था का केंद्र नहीं हैं, बल्कि ये समाज में आपसी भाईचारे और गौरवशाली संस्कृति को मजबूत करने का काम करते हैं।' प्रधान ने क्षेत्र को 10 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात धार्मिक उत्सव की खुशियों को दोगुना करते हुए ग्राम पंचायत डूमरोली के लिए 10 लाख रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि पंचायत समिति क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत में विकास की गति थमेगी नहीं और जनता की जरूरतों के अनुरूप नई योजनाएं निरंतर लाई जाएंगी। कार्यक्रम में डूमरोली सरपंच सुनील कुमार, मेला कमेटी अध्यक्ष मुकेश, अमी लाल, संजय यादव, नितिन शर्मा, रामकुमार, दिलीप पंच सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

बहुजन समाज में जन्म लेने वाली सिलारपुर की लडक़ी ने नेपाल में हुई चैंपिनशशिप में गोल्ड मेडल जीता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अगर कुछ करने की जज्बा व हौसला हो तो व्यक्ति कु छ भ्भी कर सकता है। एक गरीब परिवार में जन्म लेने वाली सिलारपुर की लडक़ी ने दौड़ के इंटरनेशल चैंपिनशिप में गोल्ड मेडल जीता है, लडक़ी के माता-पिता गरीब है। अटेली विधानसभा में सीहमा खंड के गांव सिलारपुर की दिपांशी ने इंडो नेपाल भारत यूथ गेम्स इंटरनेशनल में 800 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल जीता है। खेलो भारत यूथ फेडरेशन ने प्रशस्ति पत्र व ट्राफी प्रदान की है। बुधवार को गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने खिलाड़ी को बैंड बाजे, डीजे व फूल मालाओं से जोरदार स्वागत अभिनंदन किया। लडक़ी के पिता संजय कुमार ने बताया कि वह दिल्ली में मजदूरी मेहनत कर अपने परिवारा को चलता है। यह चैंपिनशिप नेपाल के पोखरा में 12 से 19 जनवरी के बीच हुई। इसमें भारत, नेपाल, जापान, भूटान सहित पांचदेशो के खिलाडियों ने हिस्सा लिया था। गांव के पूर्व सरपंच संजय कुमार, सरपंच रतन सिंह, ताराचंद तूंदवाल, सरजीत पंच, ओमप्रकाश मास्टर, विजय सिंह , दीपचंद पंच आदि ने खिलाडियों को सम्मानित किया।

फतेहाबाद जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए 100 दिवसीय अभियान जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा, । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से 100 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत वीरवार को महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी रेखा अग्रवाल ने अपनी सहयोगी कांस्टेबल सरोज के साथ भट्ठू में मदर टेरेसा कान्वेंट स्कूल में चल रहे शिविर में बच्चों को बाल विवाह निषेध अधिनियम के बारे व पोर्टल के बारे में बताया गया। इसके अलावा भट्ठू कलां थाना प्रभारी राधे श्याम के साथ भट्ठू कलां में जागरूकता गतिविधियां संचालित कीं। अभियान के दौरान थाना के सहयोग से भट्ठू कलां एरिया के गुरुद्वारों के ग्रंथी, पंडित, पैलेस के प्रबंधक, धर्मशाला के संचालक, कैटरिंग वाले, डीजे साउंड वाले एवं फोटोग्राफरों को बाल विवाह निषेध अधिनियम की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें निर्देश दिए गए कि आगामी विवाह आयोजनों से पूर्व दूल्हा व दुल्हन की आयु से संबंधित दस्तावेजों की पूरी जांच करें तथा जन्म प्रमाण पत्र या स्कूल प्रमाण पत्र के आधार पर ही आयु सत्यापित करें, केवल आधार कार्ड के आधार पर आयु न मानें। साथ ही दस्तावेजों की एक-एक प्रतिलिपि अपने रिकॉर्ड में सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए। आदेशों की अवहेलना करने पर कानून के अनुसार कार्रवाई किए जाने की जानकारी भी दी गई। महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी रेखा अग्रवाल ने बताया कि यदि किसी विवाह में आयु कम पाई जाती है तो इसकी सूचना तुरंत 112, 181 या 1098 पर दी जा सकती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बाल विवाह में किसी भी प्रकार की भूमिका निभाने वाले व्यक्ति के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। इस अवसर पर सभी को बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल की जानकारी भी दी गई। बाल विवाह के दुष्प्रभावों को विस्तार से समझाया गया, ताकि फतेहाबाद जिले को पूर्ण रूप से बाल विवाह मुक्त बनाया जा सके।

उत्साह और संकल्प के साथ मनाया जाएगा 16 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवसः डीसी

25 जनवरी को वोटर डे पर दिलाई जाएगी मतदाता जागरूकता शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया। । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पूरे देश में उत्साह और संकल्प के साथ मनाया जाएगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर खंड, उपमंडल और जिला स्तर पर भी जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने बताया कि जिला स्तरीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का आयोजन रविवार, 25 जनवरी को प्रातः 11 बजे लघु सचिवालय सभागार में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदाता दिवस का उद्देश्य आमजन को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने तथा मतदान के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि यह दिन लोकतंत्र की मजबूती, मतदाता जागरूकता और हर नागरिक की भागीदारी का उत्सव है। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी को विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित मतदाताओं को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

मोरिंडा धाम में विराट हिन्दू सम्मेलन को सफल बनाने के हिन्दू समाज की सभा

6 फरवरी को होगा हिन्दू सम्मेलन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंवरा।

सुमेर मीणा । किशोरपुरा सीमा पर स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर पलटूदास अखाड़ा मोरिंडा धाम में 6 फरवरी को आयोजित होने वाले हिंदू सम्मेलन को लेकर विशेष बैठक का आयोजन किया गया। हिंदू समाज द्वारा सनातन संस्कृति एवं सामाजिक एकता को पिरोने को लेकर आयोजित इस सम्मेलन को सफल बनाने हेतु अग्रणी सेवा भावी लोगों को अलग- अलग जिम्मेदारियों का जिम्मा सौंपा गया है। कल विराट हिन्दू सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें हिंदू सम्मेलन की पूरी जानकारी साझा की जाएगी।। बैठक सभा में चिरंजी लाल शर्मा ,राकेश कुमावत, जगदीश प्रसाद शर्मा, डॉ सांवर मल सैनी, पंकज मीणा किशोरपुरा, महेश लाला महाराज, शिंभु दयाल सैनी, राजेंद्र दोराता, गजराज सिंह शेखावत चंवरा, राधेश्याम कुमावत, सूरज्ञान सैनी चंवरा, श्रीराम मीणा किशोरपुरा, संदीप मीणा किशोरपुरा, हनुमान गुर्जर, प्रभु मेघवाल, हरि ओला, शंकर सेनी, राहुल मेघवाल, राजेश खटाना, छोटू सेनी, धवल कुमार गुर्जर, सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी अमित वर्मा ने ली मीटिंग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी अमित वर्मा ने गुरुवार को जिला जेल रेवाड़ी में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अधिवक्ता तथा जिला जेल के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। इस मीटिंग का उद्देश्य राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कैदियों के लिए चलाए गए अधिकारों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई एवं साइबर अपराध ऑनलाइन ठगी और फर्जी सूचनाओं के बढ़ते खतरे के बीच आम आदमी को जागरूकता प्रदान करने के उद्देश्य पर चर्चा की। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई गई योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। सीजेएम अमित वर्मा ने इस बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

राजस्थान कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

अशांत घोषित क्षेत्रों में स्थायी निवासियों की सम्पत्तियों की रक्षा के लिए राज्य सरकार लाएगी विधेयक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में अशांत घोषित क्षेत्रों में स्थायी निवासियों की सम्पतियों एवं किरायेदारों के अधिकारों के संरक्षण के लिए विधेयक लाने की योजना बनी है। सामुदायिक सद्भावना एवं सामाजिक संरचना बनाए रखने में सहायक होगा 'दि राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ ट्रांसफर ऑफ इम्मूवेबल प्रोपर्टी एण्ड प्रोविजन फोर प्रोटेक्शन ऑफ टेनेन्ट्स फ्रॉम एविक्शन फ्रॉम प्रिमाइसेज इन डिस्टर्ब्ड एरियाज बिल, 2026' के प्रारूप को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दी गई। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि जनसंख्या असंतुलन की स्थिति बनने से सार्वजनिक व्यवस्था, सद्भाव एवं मेलजोल से रहने के सामुदायिक चरित्र पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे क्षेत्रों में दंगे, भीड़ द्वारा हिंसा से अशांति की परिस्थिति उत्पन्न होने पर उस क्षेत्र के स्थायी निवासियों को अपनी स्थायी सम्पतियां कम दामों पर बेचने को मजबूर होना पड़ता है। ऐसे क्षेत्र विशेष को अशांत क्षेत्र घोषित किए जाने के बाद सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति के बिना वहां अचल संपत्ति के हस्तांतरण को अमान्य एवं शून्य माना जाएगा। सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति से ही अचल संपत्ति का हस्तांतरण इच्छुक व्यक्तियों द्वारा किया जा सकेगा। विधेयक के इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर कारित अपराध गैर जमानती और संज्ञेय होगा जिसमें 3 वर्ष से 5 वर्ष तक कारावास और अर्थदण्ड की सजा देय होगी। पटेल ने बताया कि इस विधेयक के पारित होने के बाद राज्य में अशांत घोषित क्षेत्रों में स्थाई निवासियों की सम्पत्तियों एवं उक्त सम्पत्तियों पर किरायेदारों के अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया जा सकेगा। साथ ही, राज्य में सामुदायिक सद्भावना एवं सामाजिक संरचना कायम रखी जा सकेगी। इस विधेयक को अब विधानसभा के आगामी सत्र में रखा जाएगा।

जी-राम-जी एक्ट पारदर्शिता और श्रमिकों के रोजगार की गारंटी- एडवोकेट नितेश अग्रवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । गुरूवार को बावल स्थित रेस्ट हाउस में बावल मंडल अध्यक्ष रमेश झाबुआ की अध्यक्षता में पदाधिकारियों व शक्ति केन्द्र प्रमुखों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्यातिथि के रूप में भाजपा जिला प्रवक्ता एवं बावल मंडल प्रभारी एडवोकेट नितेश अग्रवाल ने शिरकत की। उन्होने आगामी कार्यक्रम मन की बात की तैयारियों पर चर्चा भी की और पार्टी के पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां भी सौंपी। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला प्रवक्ता एवं बावल मंडल प्रभारी एडवोकेट नितेश अग्रवाल ने बताया कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा लाया गया वीबी जी-राम-जी एक्ट (ग्रामीण भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन) एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है। यह कानून न केवल ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार की गारंटी देता है, बल्कि व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि जी-राम-जी एक्ट, मनरेगा की सकारात्मक उपलब्धियों को और अधिक सशक्त बनाते हुए उसे आधुनिक तकनीक और डिजिटल निगरानी से जोड़ता है, ताकि वास्तविक श्रमिक को ही वास्तविक लाभ मिले। इस कानून के माध्यम से फर्जी जॉब कार्ड, बिचैलियों और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया जाएगा। एडवोकेट नितेश अग्रवाल ने बताया कि इस योजना के तहत, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, सीधे खाते में डिजिटल भुगतान, जियो-टैगिंग द्वारा परिसंपत्तियों की निगरानी, रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं, जिससे मजदूरी भुगतान में देरी, धन के दुरुपयोग और फर्जी परियोजनाओं की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि ग्रामीण भारत का श्रमिक सशक्त बने, आत्मनिर्भर बने और उसे उसकी मेहनत का पूरा मूल्य समय पर मिले। जी-राम-जी एक्ट ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला, रोजगार बढ़ाने वाला और गरीब कल्याण को नई दिशा देने वाला कानून है। यह कानून वास्तव में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना को जमीन पर उतारता है। उन्होने कहा कि इस कानून के बारे में जानकारी को हमें घर-घर तक पहुंचाना होगा ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सके।

इस अवसर पर निहाल सिंह, घनश्याम बागड़ी, महेश सरपंच, रामसिंह सामरिया, अशोक राणौली, भागमल, दयानंद उर्फ बिटटू, संतोष अत्री, सतबीर सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समाधान शिविर में एसडीएम ने सुनी नागरिकों की शिकायतें

मुरलीपुर निवासी विष्णु कुमार मिश्रा की मौके पर बनाई दिव्यांग पेंशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । हरियाणा सरकार द्वारा जनसेवा की दिशा में कदम बढ़ाते हुए आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर लोगों की समस्याओं का निराकरण करने का सशक्त माध्यम बन रहे है। प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का समय पर निपटान हो इसके लिए समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का त्वरित समाधान करते हुए लोगों को राहत पहुंचाई जा रही है। गुरुवार को एसडीएम ने समाधान शिविर में मुरलीपुर निवासी विष्णु कुमार मिश्रा की मौके पर ही दिव्यांग पेंशन बनवाकर उन्हें राहत पहुंचाई। डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में एसडीएम सुरेश कुमार ने गुरुवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आए लोगों की शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में आए नागरिकों ने एसडीएम के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा जिसमें रामगढ़ रोड स्थित बुध विहार रेवाड़ी में सीवर ओवरफ्लो की शिकायत पर एसडीएम ने नगर परिषद के अधिकारियों को सीवरेज लाइन की साफ सफाई करने के निर्देश दिए। गांव रामपुरी में सार्वजनिक रास्ता पर अवैध रूप से अतिक्रमण करने की शिकायत पर एसडीएम ने डीडीपीओ को उचित कार्यवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा समाधान शिविर में जल आपूर्ति, पहचान पत्र में नाम दर्ज, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, राशन कार्ड, नगर परिषद से संबंधित और राजस्व मामलों से जुड़ी समस्याएं सामने आई। इनमें से कई समस्याओं की मौके पर ही कार्रवाई शुरू करते हुए नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया। एसडीएम सुरेश कुमार ने बताया कि जनता व प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करते हुए लोगों की समस्याओं का निवारण व सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत करवाने के लिए जिला व उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि लोगों को एक स्थान पर उनकी समस्याओं को सुनकर उनका निवारण किया जा सकें।

प्रॉपर्टी/संपत्ति का बकाया प्रॉपर्टी टैक्स 31 मार्च तक कराएं जमा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार ने आमजन से अपील की है कि नगर परिषद रेवाड़ी क्षेत्र में स्थित सभी प्रॉपर्टी धारक अपनी-अपनी प्रॉपर्टी/संपत्ति का बकाया प्रॉपर्टी टैक्स 31 मार्च 2026 से पहले नगर परिषद कार्यालय रेवाड़ी में आकर जमा करवाएं या हरियाणा सरकार द्वारा जारी ऑनलाइन वेबसाइट https//property.ulb-haryana.gov.in/ के माध्यम से भी जमा करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि नगर परिषद कार्यालय द्वारा बकाया धारकों को नोटिस भी जारी किए गए थे लेकिन नोटिस प्राप्त होने उपरांत भी बकाया हाउस टैक्स धारकों द्वारा अपने सम्पत्तिकर हाउस टैक्स की अदायगी नहीं की है। उन्होंने बताया कि हाउस टैक्स धारकों द्वारा अदायगी नहीं की गई है, उन हाउस टैक्स धारकों पर जल्द ही नगर परिषद कार्यालय द्वारा नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। जिसके हर्जे-खर्चे के वह स्वयं जिम्मेदार होगें।

नगर परिषद कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार ने आमजन अपील की है कि नगर परिषद कार्यालय रेवाड़ी में प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक कमरा नंबर 101 में हाउस टैक्स जमा करवा सकते है और हरियाणा सरकार द्वारा जारी ऑनलाइन वेबसाइट https//property.ulbharyana.gov.in/ के माध्यम से भी जमा करवा सकते है।

बसंतोत्सव-2026 का हुआ भव्य आगाज, मंडावर में इतिहास रचने की तैयारी

आज हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, शोभायात्रा और उत्सव से गूंजेगा पूरा मंडावर क्षेत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । खंडेलवाल समाज मंडावर के तत्वावधान में आयोजित बसंतोत्सव महोत्सव-2026 का गुरुवार सायं भव्य, अनुशासित और ऐतिहासिक आगाज हुआ। मंडावर की माटी के लाल, प्रख्यात उद्योगपति, खंडेलवाल ग्रुप ऑफ कंपनीज के निदेशक, खंडेलवाल महासभा के आजीवन

संरक्षक एवं लगातार पांचवीं बार निर्वाचित समाज अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल (मंडावर वाले) के नेतृत्व में यह दो दिवसीय आयोजन सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और संगठित शक्ति का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा है। 22 और 23 जनवरी को आयोजित इस महोत्सव को लेकर पूरे मंडावर सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह चरम पर है।

पहला दिन सम्मान, संस्कृति और संगठन की मजबूती

दो दिवसीय बसंतोत्सव का शुभारंभ गुरुवार सायं पंचायती धर्मशाला, मंडावर में हुआ। बाहर से पधारे विशेष कलाकारों द्वारा समाज अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल की मंच तक भव्य एंट्री कराई गई, जहां प्रवेश गीत और पुष्पवर्षा के बीच उनका जोरदार स्वागत हुआ। इसके पश्चात रमेश खंडेलवाल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर समाज की मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कक्षा पांचवीं व आठवीं में ग्रेड-ए प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, कक्षा दसवीं व बारहवीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं सहित आईआईटी, नीट, सीए एवं विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित समाज के होनहारों को मंच पर प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने उद्बोधन में समाज अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल ने खंडेलवाल समाज मंडावर की पहचान को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक स्थापित करने का संकल्प दोहराया। सायं छः बजे से बाहर से आए कलाकारों की रंगारंग और मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे पंडाल को तालियों से गुंजायमान कर दिया। सायं नौं बजे समाज के लिए आयोजित सामूहिक पारिवारिक प्रीतिभोज में महिला-पुरुषों, युवाओं और बच्चों की भारी भागीदारी देखने को मिली।

आज के जिस पल का सभी को है बेसब्री से इंतजार

आज शुक्रवार, 23 जनवरी को बसंतोत्सव-2026 अपने चरम पर पहुंचेगा। प्रातः 7.30 बजे गढ़ रोड स्थित गर्ल्स स्कूल से घाटा बालाजी मंदिर तक समाज अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल के नेतृत्व में भव्य मोटरसाइकिल रैली निकाली जाएगी, जिसमें समाज के युवक-युवतियां, महिलाएं एवं पुरुष बड़ी संख्या में भाग लेंगे। इसके पश्चात पंचायती धर्मशाला में प्रातः 9 बजे से 11.30 बजे तक सपरिवार सामूहिक भोज आयोजित किया जाएगा। दोपहर 12.15 बजे महोत्सव का सबसे ऐतिहासिक क्षण आएगा, जब समाज अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल, राजस्थान भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र (पिंटू) सैनी एवं क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा जयपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा मंडावर पहुंचेंगे। हेलीकॉप्टर की लैंडिंग गढ़ रोड स्थित राजकीय गर्ल्स स्कूल के खेल मैदान में होगी, जहां पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में सजी सैकड़ों बालिकाएं अतिथियों का भव्य स्वागत करेंगी।

बसंतोत्सव-2026 खंडेलवाल समाज मंडावर को मिलेगी ऐतिहासिक पहचान।

समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों का कहना है कि बसंतोत्सव-2026 केवल मंडावर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह देशभर में खंडेलवाल समाज की एक सशक्त, संगठित और सांस्कृतिक पहचान के रूप में याद किया जाएगा। भक्ति, संस्कृति और भव्यता का यह संगम लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में अंकित रहेगा।

निकाली जायेगी संत सुंदरदास महाराज की भव्य शोभायात्रा।

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर संत सुंदरदास महाराज की दो दिवसीय जयंती समारोह भी इसी क्रम में मनाया जाएगा। आज शहर के प्रमुख बाजारों व मार्गों से होकर संत सुंदरदास महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें गाजे-बाजे, आकर्षक झांकियां और हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा के साथ भक्ति और भव्यता का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट,सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम।

संभावित भारी भीड़ को देखते हुए मंडावर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। मोटरसाइकिल रैली, हेलीकॉप्टर लैंडिंग और शोभायात्रा के दौरान पर्याप्त पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है, ताकि कानून व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

शोभायात्रा 7 फूलों की वर्षा में सराबोर होगा मंडावर

पुराने बस स्टैंड स्थित तहसीलदार बेरखंड़ा वालों के यहां से प्रारंभ होकर पंचायती धर्मशाला तक पहुंचने वाली शोभायात्रा इस बार ऐतिहासिक जुलूस का स्वरूप लेगी। आकर्षक झांकियां, सजी-धजी बग्घियां, हाथी-घोड़े, बाहर से आमंत्रित कलाकारों की प्रस्तुतियां और जगह-जगह होने वाला स्वागत-सम्मान इसे अविस्मरणीय बनाएगा। शोभायात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर से की जाने वाली पुष्पवर्षा इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण रहेगी, जिससे पूरा मंडावर फूलों की वर्षा में नहाया नजर आएगा।

स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय खेतड़ी में कर्तव्य बोध दिवस का आयोजन, शिक्षकों को सामाजिक दायित्व निभाने का आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय खेतड़ी में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (उच्च शिक्षा) की स्थानीय इकाई एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय बबाई के संयुक्त तत्वावधान में कर्तव्य बोध दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान के प्रदेश सहसचिव एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय बबाई के प्राचार्य डॉ. देवी शंकर शर्मा रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में अधिकारों की चर्चा अधिक होती है, लेकिन कर्तव्यों की स्मृति उतनी ही आवश्यक है। कर्तव्य बोध से ही राष्ट्र

निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को आत्मबोध, स्वबोध एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सजग रहते हुए अपने दायित्वों का निरंतर आत्ममंथन करना चाहिए, इसी उद्देश्य से कर्तव्य बोध दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता विभाग सहसंयोजक डॉ. अवतार कृष्ण शर्मा ने कहा कि शिक्षक का कर्तव्य केवल अध्यापन तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र, समाज, परिवार, छात्र, महाविद्यालय और अपने विषय के प्रति भी समान रूप से प्रतिबद्ध रहना चाहिए। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन एवं विषय प्रकटीकरण इकाई सचिव डॉ. बेगराज कुमावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य महिपाल कुमावत ने की। धन्यवाद ज्ञापन विनोद कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि कार्यक्रम का संचालन इकाई सहसचिव नरपत सिंह चारण ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय इकाई सदस्य सी. पी. कुलश्रेष्ठ, जगबीर राम, सुरेश कुमार चाहर, उमाशंकर, नवीन कुमार, सुनील कुमार, शीशराम, राकेश कुमार, मीना देवी, ममता यादव, जयप्रकाश गर्ग, हरिराम तर्ड, धर्मवीर जानू सहित अन्य संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में कर्तव्यबोध, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

फतेहाबाद के वकीलों के समर्थन में पूरे हरियाणा के वकील रहें हड़ताल पर

चौथे दिन भी फतेहाबाद, रतिया व टोहाना की अदालतों में रहा वर्क सस्पेंड, नहीं निकला कोई हल

भीम आर्मी के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा, मंडल प्रधान नेकी राम बराड़ व टोहाना बार के पूर्व प्रधान सुरेश चावला ने भी दिया समर्थन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिसकर्मी से कार पार्किंग विवाद को लेकर गुरुवार को चौथे दिन भी वकीलों का धरना जारी रहा और फतेहाबाद, रतिया व टोहाना के वकीलों ने अदालतों में वर्क सस्पेंड रखा। आज धरने के चौथे दिन इनेलो महिला विंग की प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला वकीलों के धरने पर पहुंची और वकीलों को पार्टी का समर्थन दिया। वहीं जजपा नेता कुलजीत सिंह कुलड़िया, युवा कांग्रेस नेता आनंदवीर सिंह गिल्लाखेड़ा भी धरने पर पहुंचे। रतिया बार एसोसिएशन के प्रधान वेद कंबोज और

टोहाना बार एसोसिएशन के प्रधान सुरेश गिल वकीलों के साथ धरने पर पहुंचे और धरने को संबोधित करते हुए कहा कि फतेहाबाद की जिला बार जब तक कहेगी रतिया व टोहाना में वकील अदालतों में वर्क सस्पेंड रखेंगे। इस मौके पर बार प्रधान दिनेश गेरा, सचिव पुनीत भुटानी, उपाध्यक्ष सितेंद्र बिश्नोई, सहसचिव शम्मी राठौड़, पूर्व बार प्रधान एचएस संधू, प्रदीप बेनीवाल, गुलबहार सिंह, राजेंद्र कुकरेजा, उपेन्द्र गेरा, नरेश सोनी, देवीलाल, सुशील बिश्नोई, धर्मपाल जाखल, प्रवेश मेहता, संजय तनेजा, पूर्व सचिव रोहताश बिश्नोई, सुभाष जांगू, कमलेश विशिष्ठ, ज्ञान प्रकाश तरड़, राकेश खरबास, खजान सिंह, आत्माराम डेलू, भारत भूषण गर्ग, भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा, पूर्व प्रधान सुरेश चावला,भीम आर्मी लीगल विंग के मंडल टोहाना प्रधान एडवोकेट नेकी राम बराड़,एसएस थिंद, विनोद कामरा, राजीव बतरा, विजय निर्मोही, देवेन्द्र ग्रोवर, अनिल सोलरा, रामप्रकाश मावलिया, राजेश शर्मा, सीताराम बेनीवाल, अजय गिल्होत्रा, राजबीर सिंह, सुरजाराम, एनएस मलिक, महेंद्र धारणियां, बलवंत गोदारा, विकास शर्मा, सुरजभान सरदाना, मदन मोहन ग्रोवर, राकेश गर्ग सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहें। इनके अलावा पार्षद मोहन लाल नारंग, चंद्रभान वधवा, हंसराज योगी भी धरने पर पहुंचे।

वसीम अकरम खीरवा बने प्रदेश सचिव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान ने वसीम अकरम खीरवा को प्रदेश सचिव नियुक्त करते हुए खेल प्रकोष्ठ एवं कांग्रेस पार्टी के लिए कार्य करने एवं कांग्रेस विचारधारा को आगे बढ़ाने की मंशा व्यक्त की है।

आईजीयू में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने तथा युवाओं में मतदाता जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, चुनावी प्रक्रिया तथा नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि मताधिकार लोकतंत्र की आत्मा है और प्रत्येक पात्र नागरिक का यह संवैधानिक दायित्व है कि वह स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर अपने मत का प्रयोग करे। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाए तथा समाज में जागरूकता का संदेश फैलाए। मुख्य वक्ता डॉ. सुनील कुमार ने इस वर्ष का थीम 'वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम' है, जो मतदाताओं को उनकी शक्ति और जिम्मेदारी के प्रति प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं में लोकतन्त्र के प्रति पूर्ण आस्था के साथ-साथ यह दृढ़-संकल्प भी होना चाहिए कि वे हर प्रकार की संकीर्णता, भेद-भाव तथा प्रलोभन से ऊपर उठकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। इस आयोजन के मुख्य अतिथि हॉस्टल चीफ़ वार्डन प्रोफेसर सतीश कुमार रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश द्वारा विद्यार्थियों को मतदाता शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने निष्पक्ष चुनाव, संविधान के प्रति निष्ठा तथा लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. मोनिका, डॉ. बलजीत, डॉ. सत्येंद्र, पवन कुमार तथा राजनीति विज्ञान विभाग, अर्थशास्त्र विभाग, सोशल वर्क के सभी शोधार्थी और समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई: बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाइयां बेचने पर मेडिकल दुकान सील

जांच के दौरान कई कमियां मिलने पर नियमानुसार की गई कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना शहर टोहाना पुलिस ने गुरुवार को रेलवे रोड कंवर सैन चौक, टोहाना स्थित जनता मेडिकल हाल की जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की। उक्त मेडिकल हाल की चेकिंग डीसीओ झज्जर प्रतिभा यादव द्वारा की गई, जिसमें दुकान में कई प्रकार की कमियां सामने आईं। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि जनता मेडिकल हाल, रेलवे रोड टोहाना के संचालक की पहचान रजत पुत्र सुरेंद्र निवासी अनाज मंडी, टोहाना के रूप में हुई। चेकिंग के दौरान कोई नशीली दवाइयां बरामद नहीं हुईं, लेकिन मेडिकल स्टोर पर नियमों की अनदेखी करते हुए बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाइयां बेचे जाने की शिकायत सही पाई गई। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि दुकान पर लगभग 20 वर्षीय युवक द्वारा पिछले करीब 2 वर्षों से बिना वैध डॉक्टर की पर्ची के दवाइयां बेची जा रही थीं। युवक की पहचान नशीब के रूप में हुई। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा

नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मेडिकल स्टोर को मौके पर ही सील कर दिया गया। पुलिस द्वारा मामले की आगामी जांच जारी है तथा संबंधित विभाग द्वारा नियमानुसार आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, रेवाड़ी के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय खेलों में सफलता पर एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, रेवाड़ी के होनहार विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की डीएवी राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। विभिन्न खेल स्पर्धाओं में पदक जीतकर लौटे इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेलों में सफलता अनुशासन, कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास का परिणाम होती है। ऐसे विद्यार्थी अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत बनते हैं और समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य जॉय बनर्जी एवं समस्त स्टाफ ने भी छात्रों की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है तथा पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी बच्चों को आगे बढ़ने के भरपूर अवसर प्रदान करता है।पदक विजेता विद्यार्थी इस प्रकार रहे– गोल्ड मेडल विजेताः रिहान सिंह (अंडर-14 नेटबॉल), अंश (अंडर-14 नेटबॉल), तेजस्वी यादव, हिमांशी,रिद्धिमा, ओज्स्वनी कौसिक, कनिष्ठा मलिक, चित्रा व हर्सिका (अंडर-14 गर्ल्स नेटबॉल), अद्विका शर्मा व अंजली (अंडर-17 गर्ल्स नेटबॉल) तुषार शर्मा (अंडर-17 ताइक्वांडो) एवं लावण्या (अंडर-19 गर्ल्स ताइक्वांडो)। ब्रॉन्ज मेडल विजेताः पराग यादव (अंडर-17 नेटबॉल), हर्षित (अंडर-19 नेटबॉल)एवं वीर (अंडर-17 नेटबॉल)। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने खिलाड़ियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रेवाड़ी पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, अंतराज्जीय चोर गिरोह का किया पर्दाफाश

गुलेल गैंग के नाम से राजस्थान में पहचान, मां-बेटे पर 10-10 हजार व बेटी पर 5 हजार रुपये का इनाम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । रेवाड़ी पुलिस को मिली इस बड़ी कामयाबी का खुलासा प्रेस वार्ता में करते हुए डीएसपी बावल श्री सुरेंद्र श्योराण ने बताया कि एसपी रेवाड़ी हेमेंद्र कुमार मीणा, आईपीएस कुशल नेतृत्व में जारी 'होगा हर अपराधी का हिसाब' अभियान अंतर्गत जिला पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। एसपी के कुशल निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा चलाई जा रही अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश मुहिम अंतर्गत सीआईए कोसली प्रभारी एसआई सुभाष चंद की टीम ने अंतर्राज्यीय चोर गिरोह की इनामी महिला सरगना सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जिला महेंद्रगढ़ के गांव पड़तल निवासी काली उर्फ संतरा, उसके लड़के विजय, लड़की पिंकी व पड़ोसी अरुण के रूप में हुई है। राजस्थान पुलिस ने मां-बेटे पर 10-10 हजार व बेटी पर 5 हजार रुपये का इनाम रखा हुआ था। राजस्थान में आरोपियों की पहचान गुलेल गैंग के नाम से होती है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद पांच दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान जिले में हुई चोरी की वारदातों के बारे में आरोपियों से पूछताछ की जाएगी। उन्होंने बताया की इस मामले में गांव निमोठ निवासी ललित कुमार ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि 15 जुलाई 2025 की रात वह अपने मकान को ताला लगाने के बाद सोने के लिए प्लॉट में चला गया था। अगले दिन सुबह जब वह मकान पर आया तो मेन दरवाजे का ताला व कुडी टूटे हुए थे। घर का सारा सामान बिखरा हुआ था। कमरों में रखे अलमारी व संदूकों के ताले टूटे हुए थे। चोर कमरे में रखी संदूक से 2.5 लाख रुपये व लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर ले गए। जिस पर पुलिस ने थाना खोल में चोरी का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जो इस मामले सीआईए कोसली ने बुधवार को जिला महेंद्रगढ़ के गांव पड़तल निवासी काली उर्फ संतरा, उसके लड़के विजय, लड़की पिंकी व पड़ोसी अरुण को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को पेश अदालत करके पूछताछ के लिए पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से चोरी किए गए सामान की बरामदगी व अन्य वारदातों का पता लगाया जाएगा। जिले के थाना खोल में इस गैंग ने चोरी की पांच वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की है। गुलेल गैंग के नाम से राजस्थान में मशहूर डीएसपी बावल श्री सुरेंद्र श्योराण ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि आरोपियों ने हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में चोरी की 45 से अधिक वारदातों को अंजाम दिया था। 24 मामलों में आरोपियों की पहले भी गिरफ्तारी हुई थी। राजस्थान में इन्हें गुलेल गैंग के नाम से जाना जाता है। राजस्थान पुलिस ने काली व उसके बेटे विजय पर 10-10 हजार रुपये व काली की बेटी पिंकी पर 5 हजार रुपये का इनाम रखा हुआ था। इस गैंग ने थाना खोल की चोरी की पांच वारदात, जिला महेंद्रगढ़ की चोरी की एक वारदात व राजस्थान की चोरी की 5 अन्य वारदातों में भी शामिल होने की बात स्वीकार की है।

दूसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी टीम इंडिया

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। पहले टी20 में मिली 48 रनों की जीत से भारतीय टीम इस सीरीज में पहले ही 1-0 से आगे है। अब उसका लक्ष्य अपनी बढ़त को 2-0 करना रहेगा। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज दोने ही लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। पहले ही मैच में अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 32 रनों की अपनी पारी से लय हासिल कर ली है। भारतीय गेंदबाजों ने भी पहले मैच में कीवी टीम को 200 रनों के अंदर समेट कर अपनी टीम को आसानी से जीत दिला दी।

यहां के मैदान पर अब तक हुए एक टी20 मैच में भारतीय टीम जीत थी। ये मैच साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ था। तब भी सूर्यकुमार यादव ही कप्तान थे। उस मुकाबले में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं अब रिंकू से इस मैच में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। अक्षर को पहले टी20 में अंगुली में चोट लग गयी थी। ऐसे में उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध नजर आता है। रिंकू ने पहले टी20 में 20 गेंदों में नाबाद 44 रन की आक्रामक पारी खेली थी। दूसरे टी20 में भारतीय टीम की नजरे शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन के प्रदर्शन पर भी रहेंगी। पहले टी20 में ये दोनो ही विफल रहे थे। सैमसन हाल में अंतिम एकादश से अंदर बाहर होते रहे हैं पर अब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए उन्हें अवसर मिलना तय है।

सैमसन भी अवसर मिलने पर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। इसके अलावा ईशान भी इस मैच में बड़ी पारी खेनना चाहेंगी।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस मैच में बड़ी पारी खेलकर अपना मनोबल बढ़ाना चाहेंगे। पहले टी20 में उन्होंने 22 गेंदों में 32 रन बनाये थे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना चाहेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। कीवी टीम की बल्लेबाजी डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र और डैरिल मिचेल पर निर्भर करेगी जबकि गेंदबाजी जैकब डफी, मिशेल सैंटनर, काइल जैमीसन पर आधारित रहेगी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा.

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी.

सिंधू और लक्ष्य इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

जकार्ता (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां सीधे गेम में जीत हासिल करके इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य ने हांगकांग के जेसन गुनावन को आधे घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-10 21-11 से हराया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में डेनमार्क की अपनी जानी-पहचानी प्रतिद्वंदी लाइन होजमार्क कजेरफेल्ड पर 21-19 21-18 से जीत दर्ज की। यह मैच 43 मिनट तक चला। डेनमार्क की खिलाड़ी के खिलाफ अब तक हुए छह मुकाबलों में सिंधू की यह पांचवीं जीत थी।

सिंधू का अगला मुकाबला टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व की नंबर चार खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई से होगा। सिंधू और फेई अब तक 13 बार एक-दूसरे का सामना कर चुकी हैं। कुल रिकॉर्ड में फेई का पलड़ा 7-6 से थोड़ा भारी है। भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी बार 2019 में फेई को हराया था और वह इस रिकॉर्ड को बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगी।

टी20 विश्व कप से बॉयकॉट के बाद बंगलादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल का बयान आया सामने

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश ने टी20 विश्व कप 2026 का बॉयकॉट करते हुए साफ तौर पर कहा है कि वह भारत में अपने टी20 विश्व कप मैच नहीं खेलेंगे। बंगलादेश ने यह भी कहा है कि वह टी20 विश्व कप खेलना चाहता है और उसके मैच श्रीलंका में कराए हैं। इसी बीच बंगलादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को कहा कि आईसीसी ने उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी 20 विश्व कप में हिस्सा लेने के संबंध में उचित न्याय नहीं दिया।

कल, आईसीसी ने बंगलादेश की भारत से श्रीलंका में वेन्यू बदलने की अपील को खारिज कर दिया और इसके बजाय बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड को उनकी भागीदारी पर फैसला लेने के लिए 24 घंटे का समय दिया। आईसीसी ने स्कॉटलैंड को भी स्टैंडबाय पर रखा है, अगर बंगलादेश आखिरकार टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत जाने को तैयार नहीं होता है। नजरुल, जिन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेटरों के साथ बैठक की थी, ने पत्रकारों से कहा कि वे अपना रुख बदलने को तैयार नहीं हैं। आसिफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हाल के दिनों में भारत में ऐसा कुछ नहीं हुआ है जिससे यह लगे कि वहां (सुरक्षा के लिहाज से) चीजें बदल गई हैं। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमें न्याय देगा।'

बांग्लादेश ने टी20 विश्वकप क्रिकेट का बहिष्कार किया

सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकते : बीसीबी

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश सरकार ने टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट का बहिष्कार करने की घोषणा की है। बांग्लादेश सरकार के फैसले के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) टी20 विश्व कप से हट गयी है। है। बांग्लादेश ने ये फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच स्थल भारत से बाहर रखे जाने की उसकी मांग खरिज करने के बाद लिया है। बीसीबी ने कहा है कि वर्तमान हालातों में वह अपनी टीम को सुरक्षा कारणों से भारत नहीं भेज सकता। बोर्ड के अनुसार खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार के बीच हुई अहम बैठक के बाद विश्वकप से हटने का फैसला किया गया है। इससे पहले आईसीसी ने कहा था कि या तो बांग्लादेश खेलने के लिए तैयार हो या बाहर जाये।

इसके बाद एक बैठक में बीसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों, राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकारों की बैठक हुई। इसमें आइसीसी के फैसले पर बात हुई। इसके बाद बीसीबी की ओर से कहा गया कि बांग्लादेश भारत में नहीं खेलने के अपने रुख पर बना हुआ है। साथ ही कहा कि मौजूदा हालातों में टीम भारत नहीं जाएगी, चाहे विश्कप से बाहर ही होना पड़े। बैठक के बाद खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने कहा कि आईसीसी ने बांग्लादेश के साथ न्याय नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ क्रिकेट कार्यक्रम या टूर्नामेंट प्रतिबद्धताओं तक सीमित नहीं है। साथ ही कहा कि , खिलाड़ियों की सुरक्षा सबसे ऊपर अै। इससे किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। नज़रुल ने यह भी साफ किया कि बांग्लादेश दबाव में झुकने वाला नहीं है।

वहीं इससे पहले गत दिवस आईसीसी ने बीसीबी की आयोजन स्थल बदलने की मांग ठुकरा दी है। साथ ही कहा था कि टी20 विश्वकप का कार्यक्रम तय हो गया है और इसमें अंतिम समय पर बदलाव नहीं किया जा सकता है। वहीं बीसीबी ने कहा कि उसकी सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर आईसीसी ने ध्यान नहीं दिया। । इसी वजह से बोर्ड ने अपना रुख बदलने से इनकार कर दिया है। बीसीबी ने कहा था कि उसके मैच श्रीलंका में रख दिये जायें।

बीसीबी अधिकारियों का कहना है कि यह मांग किसी राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों की सुरक्षा और मानसिक शांति को ध्यान में रखकर की गई है। वहीं आईसीसी इससे सहमत नहीं दिखी।

बीसीबी ने कहा कि टीम के कई सदस्यों ने भारत जाने को लेकर असहजता जताई है। बोर्ड ने माना कि टूर्नामेंट से बाहर होने से उसे आर्थिक नुकसान होगा पर इसके लिए सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला जा सकता।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : जोकोविच ने मास्ट्रेली को हराकर तीसरे राउंड में बनाई जगह

मेलबर्न - सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को इटली के फ्रांसेस्को मास्ट्रेली को सीधे सेटों में हराकर 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में जगह बनाई। आज यहां रॉड लेवर एरिना में खेले गये मुकाबले में सर्बियाई चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच को एकल में 6-3, 6-2, 6-2 से जीत हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाकर कोर्ट पर अपना दबदबा बनाया। मास्ट्रेली ने कुछ प्रतिरोध दिखाया, कई ब्रेक पॉइंट बचाए और शक्तिशाली सर्व और तीन ऐस लगाकर जोकोविच को सेट के लिए सर्व करने पर मजबूर किया। दूसरे सेट में भी पैटर्न वैसा ही रहा, जोकोविच ने 3-2 के बाद बढ़त बनाई और 6-2 से सेट जीत लिया। तीसरे सेट में जोकोविच ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली, एक तनावपूर्ण पांचवें गेम में सर्व ब्रेक करके 4-1 से आगे हो गए। मास्ट्रेली ने देर से वापसी की कोशिश किया, लेकिन जोकोविच की सटीकता और निरंतरता निर्णायक साबित हुई, क्योंकि उन्होंने इतालवी खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाकर जीत पूरी की। जोकोविच ने एक अनजान विरोधी के बारे में कहा, 'आजकल मेरे साथ ऐसा अक्सर होता है। फिर भी, सम्मान हमेशा रहता है और मैं किसी को कम नहीं आंकता। उसके पास एक बड़ी सर्व है और बड़े स्टेज पर उसके पास अभी भी अनुभव की कमी है, लेकिन उसके पास गेम है जिससे वह बहुत आगे जा सकता है और रैंकिंग में ऊपर जा सकता है, इसलिए मैं उसे इसके लिए शुभकामनाएं देता हूं।' जोकोविच तीसरे राउंड में नीदरलैंड के बोटिक वैन डी जैड्सचल्प से भिड़ेंगे।

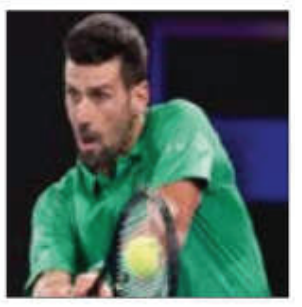

टी20 विश्वकप पर हैं नजरें : हरमनप्रीत

त्रिवेंद्रम । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2026 टी20 विश्वकप जीतना है। हरमनप्रीत की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद से ही टीम के हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसने सीरीज जीती। हरमनप्रीत ने साफ किया कि श्रीलंका के खिलाफ इस सीरीज के प्रदर्शन से आने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। ताकि एक प्रयोग किया जा सके। हरमनप्रीत ने कहा, एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद हमने तय किया था कि टी20 क्रिकेट में अपने स्तर को और आगे ले जाना है। इसी कारण आक्रामक रुख अपनाया गया है। विश्व कप में जीत के लिए आक्रामक तरीके से खेलना बहुत जरूरी होता है। इसी को देखते हुए अभ्यास के तौर पर इस सीरीज में टीम आक्रामक रही। हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि इससे भारतीय टीम की गेंदबाजी ताकत उभरकर सामने आयी है। टी20 प्रारुप में गेंदबाजों की भूमिका बेहद अहम होती है। इसमें विरोधी टीम को छोटे स्कोर पर रोकना होता है जिसमें भारतीय गेंदबाज सफल रहे हैं।

शमी ने अब भी वापसी की नहीं छोड़ी उम्मीद, जमकर कर रहे अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम के बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। 35 साल के शमी ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की थी। इसके बाद भी उन्हें न्यूजीलैड के खिलाफ एकदिवसीय ओर टी20 सीरीज के शामिल नहीं किया गया। वहीं शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है। इससे अंदाजा होता है कि वह निराश नहीं है और टीम में वापस को लेकर सकारात्मक रुख रख रहे हैं।

शमी ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से पिछले साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था पर उसके बाद वह चोटिल होने के कारण टीम के बाहर हो गये थे। इस दौरान वह सर्जरी से भी गुजरे। इसके बाद से ही वह टीम में जगह का इंतजार करते रहे हैं। टीम से बाहर होने के बाद शमी ने अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया पर इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने उनकी अनदेखी की। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यहां तक कह दिया कि उन्हें शमी की फिटनेस के बारे में जानकारी नहीं है। शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए पहले रणजी ट्रॉफी और उसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और फिर विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की है। इसके बाद भी उन्हें पहले इंग्लैंड फिर दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया। ऐसे में लगातार अपनी उपेक्षा से निराश शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है।

शमी के जज्बे से लगता है कि उन्होंने अभी वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। वह घरेलू क्रिकेट में लगातार गेंदबाजी कर रहे हैं। वह अपनी फिटनेस को भी बनाये रखने पर ध्यान दे रहे हैं। पिछले साल जब अगरकर ने शमी की फिटनेस पर टिप्पणी की थी तो उन्होंने कहा था कि अगर वह 50 ओवर के मैच में 10 ओवर डाल रहे हैं तो टेस्ट में भी गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन अब उन्हें अपनी योजनाओं का हिस्सा नहीं मानना है, इसी लिए चयनकर्ता उनसे आगे बढ़ गये हैं। नये तेज गेंदबाजों के आने से भी शमी की मुश्किलें बढ़ी हैं। टीम प्रबंधन अब 2027 विश्वकप को देखते हुए टीम बना रहा है और अधिक उम्र के कारण इसके लिए शमी फिट नहीं हैं।

चैंपियंस लीग : केन के दो गोल से बायर्न म्यूनिख ने मेंरॉयल यूनियन सेंट-गिलोइस को हराया

बर्लिन । आखिरी 30 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही बायर्न म्यूनिख ने हैरी केन ने दूसरे हाफ में किए गए दो गोल की बदौलत रॉयल यूनियन सेंट-गिलोइस पर 2-0 से जीत हासिल दर्ज की। बुधवार को खेले गये मुकाबले में बायर्न ने अच्छी शुरुआत की और दूसरे ही मिनट में बढ़त बनाने के करीब पहुंच गया जब लुइस डियाज एरिया में घुसे और केन को पास दिया, लेकिन यूनियन के गोलकीपर केजेल शेर्पेन ने शानदार बचाव किया। दोनों टीमें कई प्रयासों के बावजूद पहले हाफ में गोल करने में विफल रहीं। ब्रेक के बाद बायर्न के लिए केन ने 52वें मिनट में हेडर से गोल किया और तीन मिनट बाद उसने पेनल्टी को गोल में बदलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। बायर्न का कंट्रोल तब मुश्किल में पड़ गया जब 63वें मिनट में किम मिन-जे को दूसरा पीला कार्ड मिलने पर बाहर भेज दिया गया। यूनियन ने आगे बढ़ने का प्रयास करते हुए मौके बनाने के लिए संघर्ष किया, जबकि बायर्न ने जवाबी हमला किया। केन लगभग हैट्रिक पूरी करने ही वाला था, लेकिन उसने देर से मिली पेनल्टी को क्रॉसबार पर मार दिया। इस जीत से बायर्न चैंपियंस लीग लीग-फेज टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गया और टॉप-आठ में जगह पक्की कर ली, जिससे आखिरी 16 के लिए क्वालिफिकेशन पक्का हो गया।

रोहित और विराट से मतभेद की खबरें आधारहीन : गंभीर

वडोदरा । भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा से उनके मतभेदों को लेकर जो बातें मीडिया में आती रही हैं। वे अधार हीन हैं। गंभीर ने कहा कि इस प्रकार की रिपोर्ट जब वह पड़ते हैं तो उन्हें हंसी आ जाती है। पिछले साल जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी तब एकदिवसीय सीरीज के दौरान ऐसी खबरें आईं कि विराट और गंभीर के बीच बातचीत नहीं है। वहीं रोहित के साथ बातचीत तो बंद नहीं है पर दोनो के संबंध ठीक नहीं हैं। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित और विराट के टेस्ट से संन्यास के पीछे भी गंभीर जिम्मेदार हैं। इसके अलावा अब वह इन्हें एकदिवसीय से भी बाहर करना चाहते हैं। इस प्रकार की बातों को गंभीर ने गलत बताया है। गंभीर ने सोशल मीडिया में लिखा है, कोच के जिस असीमित अधिकार की बातें की जा रही हैं उसमें भी कोई सच्चाई नहीं है। तब तक तो मुझे इस पर हंसी आ रही है कि मुझे अपनों के खिलाफ ही खड़ा किया जा रहा है जबकि वे बेस्ट हैं। गंभीर जब से टीम इंडिया के कोच बने हैं तब से भारतीय टीम का टेस्ट में प्रदर्शन खराब हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को घरेलू धरती पर भी हार का सामना करना पड़ा है। पहले उसे न्यूजीलैंड ने क्लीन स्वीप किया और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हराया। इसके बाद से ही उन्हें हटाने की भी मांग उठाती रही है। इसके अलाव कई पूर्व क्रिकेटरो ने भी हर प्रारुप में अलग-अलग कोच की मांग की है।

अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स ने रांची रॉयल्स को शूटआउट में हराकर हासिल किया बोनस अंक

भुवनेश्वर - अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स और रांची रॉयल्स के बीच पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (।ह्वरु) में एक रोमांचक मुकाबले के निर्धारित में 3-3 से ड्रॉ रहने के बाद ड्रैगन्स ने नाटकीय शूटआउट में 4-2 से हरा दिया। ड्रैगन्स ने शूटआउट में जीत से बोनस अंक हासिल मिला। जबकि रॉयल्स ने पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे शुक्रवार को कलिंगा लांसर्स के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर क्वालीफायर 1 मुकाबला तय हो गया। हैदराबाद तूफान ने भी प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को एचआईएल जीसी से आगे चौथे प्लेऑफ स्थान को पक्का करने के लिए कल एसजी पाइपर्स के खिलाफ मुकाबले में सात गोल के अंतर से जीतना होगा। टॉम बून ने रॉयल्स के लिए दो बार गोल किया (9', 35'), पहले मिनट में मनदीप सिंह (1') के शुरुआती गोल का साथ दिया। ड्रैगन्स ने ब्लेक गोवर्स (24', 53') के दो गोल और कार्थी सेल्वम (32') के एक गोल से वापसी की। शूटआउट के दौरान, नाथन एफ्राम्स, ब्लेक गोवर्स, उत्तम सिंह और टॉम क्रेग ने ड्रैगन्स के लिए अपने मौके भुनाए।

अभिषेक शर्मा ने पहला टी20आई जीतने के बाद किया रणनीति का खुलासा

नागपुर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के विरुद्ध पहले टी-20 मैच में 35 गेंदों में 84 रनों की विस्फोटक पारी खेलने वाले भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि उन्हें अपने कुछ चुनिंदा शॉट्स पर ही पूरा भरोसा हैं। मैच के बाद अपनी रणनीति को लेकर अभिषेक ने कहा, 'जब आप विपक्षी गेंदबाजो के वीडियो खंगालते हैं या अपनी बल्लेबाजी का विश्लेषण करते हैं, तो आपको अंदाजा हो जाता है कि सामने वाली टीम क्या रणनीति बनाए और मुझे अपने रन कहां बनाने हैं। सच कहूं तो मैं अपने गिने-चुने शॉट्स पर ही यकीन करता हूं क्योंकि मेरे पास वैरायटी बहुत अधिक नहीं है। बस कुछ खास स्ट्रोक्स हैं जिनकी मैं जी-तोड़ अभ्यास करता हूं और मैदान पर उन्हें ही आजमाता हूं।'

उन्होंने अपनी तकनीक को लेकर कहा, 'मैं अधिकतर पावर हिटिंग का प्रयास नहीं करता क्योंकि मुझमें वैसी शारीरिक ताकत नहीं है। मेरी बल्लेबाजी मुख्य रूप से टाइमिंग के भरोसे चलती है। मेरे लिए सबसे अहम यह है कि मैं गेंद की लाइन पर नजर रखूं और माहौल को समझूं। चूंकि हम फिलहाल पूरे भारत में अलग-अलग जगहों पर खेल रहे हैं, तो परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाना बेहद आवश्यक हो जाता है। इसके लिए मैं मैच से पूर्व या नेट अभ्यास के दौरान ही अपनी रणनीति तैयार कर लेता हूं। विपक्षी गेंदबाजी की अपनी योजना होती है, इसलिए मेरे जेहन में हमेशा यह रहता है कि मैं अपने खेल और अपनी तैयारी पर पूरा भरोसा रखूं।'

सलामी बल्लेबाज ने अपनी शैली पर कहा, 'मैं इसे जोखिम भरा खेल नहीं मानता। हालांकि इसे 'कम्फर्ट जोन' कहना पूरी तरह सही नहीं होगा, लेकिन मेरा लक्ष्य हमेशा टीम को मजबूत शुरुआत दिलाना होता है। शुरुआती 6 ओवरों का लाभ उठाना बेहद अहम है और मैं नेट्स पर भी इसी की तैयारी करता हूं। मेरे जेहन में यह बात स्पष्ट रहती है कि विपक्षी टीम के मुख्य गेंदबाज ही पारी के शुरुआती ओवर फेंकते हैं। अगर मैं पहले तीन-चार ओवरों में उन पर हावी हो जाऊं, तो मैच पर हमारी पकड़ मजबूत हो जाती है।'

उन्होंने कहा, 'मैंने एक चीज सीखी है कि यदि आप हर गेंद पर प्रहार करना चाहते हैं या 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी का इरादा रखते हैं, तो वैसी ही मानसिकता और कड़ा अभ्यास जरूरी है। हर टीम मेरे लिए अलग रणनीति तैयार है। अब मुझे समझ आता है कि यह केवल क्षेत्ररक्षण सेटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि पिच और गेंदबाजी के तरीके पर भी निर्भर करता है। इसलिए मैच से पहले की गई मेरी तैयारी सबसे ज्यादा मायने रखती है। इस सीरीज के शुरू होने से पहले मेरे पास एक सप्ताह का समय था। मैं जानता था कि न्यूज़ीलैंड के गेंदबाज मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश करेंगे, लेकिन मुझे अपनी नैचुरल गेम और अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा है।'

सुहाना ने बताया कैसी है शाहरुख-गौरी के साथ बॉन्डिंग

शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान ने ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'आर्चीज' से डेब्यू किया था। अब वो अपनी अपकमिंग और सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली पहली फिल्म 'किंग' पर काम कर रही हैं। ज्यादातर अपने माता-पिता शाहरुख और गौरी के साथ ही नजर आने वालीं सुहाना ने अब अपने और माता-पिता के रिश्तों पर खुल कर बात की है। जानें कैसी है सुहाना और उनके पेरेंटस की ट्यूनिंग

पेरेंटस का फैसला ही आखिरी होता है

हैपर्स बाजार को दिए इंटरव्यू में सुहाना ने अपने निजी जीवन पर बात की। सुहाना ने इस इंटरव्यू में शाहरुख और गौरी दोनों को ही अपने काफी करीब बताया। उन्होंने कहा कि जब वो किसी ऐसी जगह पहुंचती हैं जहां उन्हें समझ नहीं आता कि क्या करना चाहिये ? तो वो अपने पैरेंट्स को फैसला करने को कहती हैं। फिर उनके पैरेंट्स जो भी फैसला करते हैं उसे वो आखिरी फैसला मानती हैं।

करियर के फैसले भी करेंगे शाहरुख-गौरी

आगे शाहरुख और गौरी के बारे में बताते हुए सुहाना ने कहा कि जहां एक तरफ शाहरुख उन्हें भावनात्मक सलाह देते हैं, वहीं गौरी उन्हें प्रेक्टिकल सलाह देतीं हैं। अपने करियर से जुड़े फैसलों के बारे में सुहाना ने कहा कि इसमें भी वो अपने पैरेंट्स के कहने पर ही चलेगीं।

एक्टिंग बनी स्कूल प्ले से पैशन

इंटरव्यू में आगे सुहाना ने अपने एक्टिंग के तरफ रुझान पर चर्चा की। एक्ट्रेस ने बताया, 'अभिनय के साथ मेरा सफर एक साधारण से स्कूल प्ले से शुरू हुआ। इस प्ले में मुझे मनचाहा रोल नहीं मिल सका। इसी पल मुझे एहसास हुआ कि मुझमें स्टेज पर आने की कितनी चाहत थी।' आगे सुहाना ने कहा, 'लोग क्या सोचेंगे यह छोड़कर मैं अपने काम पर फोकस करतीं हूं। एक्टिंग से लेकर मैग्जीन शूट तक हर कदम मैं बहुत सावधानी और माता पिता से स्वीकृती मिलने के बाद ही उठाती हूं।' दोस्तों के बारे में सुहाना ने कहा कि वो कम मगर लंबी दोस्ती में भरोसा करतीं हैं।

तमिल सुपरस्टार अजित कुमार की रेसिंग जर्नी पर बनेगी डॉक्यूमेंट्री फिल्म

अभिनेत्री नयनतारा और उनके पति, निर्देशक विग्नेश शिवन तमिल सुपरस्टार अजित कुमार को हौसला देनेदुबई ऑटोड्रोम पहुंचे। अजित ने अपनी टीम अजित कुमार रेसिंग के साथ दुबई 24॥ सीरीज नाम की एक बड़ी कार रेसिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके कई वीडियो आज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अजित की रेसिंग जर्नी पर एक डॉक्यूमेंट्री भी बनेगी। कई वीडियो इंटरनेट पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें अजित नयनतारा और विग्नेश शिवन का गर्मजोशी से स्वागत करते दिख रहे हैं। वे उन्हें अपनी टीम के बाकी सदस्यों से मिलवाते हैं और सबके साथ अच्छी बातचीत करते हैं। पिछले हफ्ते म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध ने भी अबू धाबी में अजित से मुलाकात की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित की रेसिंग जर्नी पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बन रही है। इसे निर्देशक ए.एल. विजय बना रहे हैं। यह फिल्म करीब 90 मिनट की होगी और इसका मकसद युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही, मोटरस्पोर्ट को भारत में लोकप्रिय बनाना है, क्योंकि कई लोग इसे अभी भी अमीरों का खेल मानते हैं। फिल्म में मलेशिया, अबू धाबी और दुबई की रेसों के अलावा अजित की तैयारी, स्ट्रैटेजी मीटिंग्स और प्रैक्टिस सेशन भी दिखाए जाएंगे। यह डॉक्यूमेंट्री अगले साल 1 मई को अजित के जन्मदिन पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

खुद को स्टार नहीं मानते शाहिद?

शाहिद कपूर विशाल भारद्वाज की नई फिल्म ओ रोमियो में नजर आएंगे। यह फिल्म 13 फरवरी को, वैलेंटाइन डे के ठीक पहले सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म का टीजर पहले ही फैंस का दिल जीत चुका है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने स्टारडम के बारे में खुलकर बात की और साथ ही यह भी बताया कि वह अपने बच्चों को एक सामान्य परवरिश देना चाहते हैं।

शाहिद कपूर पिछले 23 साल से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। बहुत बड़ी कामयाबी मिलने के बावजूद, वे खुद को स्टार कहना पसंद नहीं करते। वे खुद को सिर्फ एक्टर कहते हैं। इंटरव्यू में शाहिद ने बताया कि वे स्टार कहलाना क्यों नहीं चाहते। उन्होंने कहा, सबसे बड़ा सबक यह है कि असलीपन खुद को अच्छे से जानने से आता है, दूसरों की उम्मीदों में ढलने से नहीं।

स्टारडम को लेकर शाहिद की राय

शाहिद ने स्टारडम को लेकर कहा, प्रसिद्धि कभी-कभी बोझ बन जाती है और शोर-शराबे में अपनी असलियत भूल जाना आसान हो जाता है। शाहिद का मानना है कि एक एक्टर को सच्चा रहना चाहिए, अपने परिवार और करीबियों से जुड़े रहना चाहिए और काम पर फोकस करना चाहिए। खुद के साथ ईमानदार रहना ही असली सफलता और खुशी का रास्ता है।

कैसे पिता हैं शाहिद?

शाहिद कपूर एक बहुत अच्छे एक्टर हैं, जो काम और परिवार दोनों को संतुलन में रखते हैं। शाहिद कपूर के परिवार की बात करें तो वे दो बच्चों के प्यारे पापा हैं—बेटी मिशा और बेटा जैन। शाहिद चाहते हैं कि उनके बच्चे जितना हो सके सामान्य जीवन जिएं। वे बच्चों को अपनी स्टारडम के बारे में ज्यादा नहीं बताते। अगर कोई सवाल आता है तो माता-पिता की तरह प्यार से जवाब देते हैं।

जल्द करेंगीं बड़े पर्दे पर डेब्यू

सुहाना जल्द ही अपने पिता के साथ फिल्म 'किंग' से बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी। रेड चिलीज बैनर तले बन रही ये फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है। फिल्म का टीजर पिछले साल शाहरुख के बर्थडे पर रिलीज हुआ था। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित इस फिल्म में शाहरुख और सुहाना के अलावा दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी और रानी मुखर्जी समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

तेजस्वी प्रकाश ने तस्वीरों के जरिए दिखाई अपनी अब तक की शानदार जर्नी

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश मनोरंजन जगत में काफी समय से काम कर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में तेजस्वी अपने पुराने सीरियल के किरदार में नजर आ रही हैं। कुछ फोटोज में वे अपने उस समय के लुक में दिख रही हैं, तो कुछ में वे अपने दोस्तों और साथी कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरें फोटोशूट की हैं, जहां वे स्टाइलिश और ट्रेंडी कपड़ों में पोज दे रही हैं। ये तस्वीरें उनके सफर की शुरुआत को दर्शाती हैं, जब वे टीवी स्क्रीन पर पहली बार दर्शकों के सामने आई थीं। तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, 2016 मेरा दिल है और हमेशा ऐसा ही रहेगा। फैंस अभिनेत्री की तस्वीरों को देखते ही ढेर सारे लाइक और कमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स तरह तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। तेजस्वी प्रकाश 2017 में सोनी टीवी के टीवी सीरियल पहरेदार पिया की में दिया सिंह के तौर पर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं, लेकिन बाल विवाह केंद्रित कहानी होने के कारण प्रसारण के कुछ दिन बाद ही सीरियल विवादों में घिर गया था।

रानी मुखर्जी ने सोशल मीडिया नेगेटिविटी को लेकर साझा की राय

फिल्मों की रिलीज के साथ सोशल मीडिया पर अचानक फैलने वाली नेगेटिविटी आज एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। कई बार रिलीज से पहले ही किसी फिल्म या एक्टर को लेकर माहौल बना दिया जाता है, जिससे लोगों की राय पहले से तय होने लगती है। इसी मुद्दे पर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने अपने मन की बात रखी है।

रानी मुखर्जी ने कहा ऑडियंस हमेशा सही होती है। मैं आज भी यह नहीं मानती कि ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ फिल्म देखने आती है। लोग सिनेमाघर खुले दिल से आते हैं। लेकिन आज के दौर में खासकर सोशल मीडिया की वजह से, फिल्मों और कलाकारों को लेकर एक माहौल बना दिया जाता है। कुछ लोग या ऑडियंस का एक छोटा सा हिस्सा जान-बूझकर नेगेटिविटी फैलाता है। इस बात से मैं वाकिफ हूं।

इंसान की फितरत नेगेटिव नहीं होती

मैं दिल से मानती हूं कि कोई भी इंसान नेगेटिव नहीं होना चाहता है। हर कोई अच्छा काम करना चाहता है। हर कोई प्यार करना चाहता है। हर कोई बदले में प्यार पाना चाहता है। इसी सोच के साथ मैं भी आगे बढ़ती हूं।

सोशल मीडिया रिएक्शन पर राय

हां, आज सोशल मीडिया ऐसी जगह बन गया है, जहां लोग सही और गलत समझे बिना तुरंत रिएक्शन दे देते हैं। ऐसे में मैं बस यही दुआ करती हूं कि लोगों को थोड़ी समझ मिले। वह सोशल मीडिया पर एकदम से रिएक्शन की आदत से बचें।

विजडम बेल बटन होना चाहिए

यह मेरा सुझाव है। सोशल मीडिया पर जैसे लाइक और डिसलाइक का बटन होता है, वैसे ही कुछ लिखने या बोलने से पहले एक सोचने वाला बटन (विजडम बेल) भी होना चाहिए। जिससे इंसान एक पल रुककर सोच सके कि वह जो कहने जा रहा है, वो सही है या नहीं।

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 और टॉक्सिक के क्लैश को लेकर किया पोस्ट

राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की तारीफ की थी। वहीं आज राम गोपाल वर्मा ने यश की फिल्म टॉक्सिक और रणवीर सिंह की धुरंधर 2 की एक ही दिन में रिलीज को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। निर्देशक ने इसे धुरोक्सिक नाम देते हुए दोनों फिल्मों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कैसा होगा दो फिल्मों का टकराव?

राम गोपाल वर्मा ने रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 और यश की फिल्म टॉक्सिक के बीच 19 मार्च 2026 को होने वाले बड़े बॉक्स ऑफिस टकराव पर अपनी राय दी है। उन्होंने एक्स पर अपनी राय शेयर की है। निर्देशक ने इसे मजेदार नाम दिया है- धुरोक्सिक। निर्देशक ने लिखा कि यह सिर्फ दो फिल्मों की रिलीज का टकराव नहीं, बल्कि यह भारतीय सिनेमा का प्रलय का दिन होगा।

कैसी होगी धुरंधर 2

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 को लेकर लिखा, धुरंधर 2 एक यथार्थवादी सिनेमा है। इसमें कहानी असली जिंदगी पर आधारित है। हिंसा इसलिए होती है क्योंकि जरूरत है, न कि सिर्फ दिखावे के लिए। हीरो एक आम इंसान है, जो वक्त आने पर गलती कर सकता है, घायल हो सकता है और हार भी सकता है। फिल्म दर्शकों को भावनाओं से जोड़ती है।

टॉक्सिक को लेकर राय

वहीं कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक को लेकर राम गोपाल वर्मा ने लिखा, यह बहुत अवास्तविक फिल्म है क्योंकि इसमें स्टाइल और कूलनेस पहले आती है और लॉजिक बाद में। हिंसा सिर्फ एटीट्यूड दिखाने के लिए है। हीरो बुलेटप्रूफ है, कभी हारता नहीं, दुनिया उसकी पूजा करती है। फिल्म दर्शकों को सिर्फ एक्साइटमेंट देना चाहती है, गहरी भावनाएं नहीं। कैमरा हीरो को भगवान जैसा दिखाने की कोशिश करता है।

19 मार्च को होगा फिल्मों का फैसला

19 मार्च को धुरंधर 2 और टॉक्सिक रिलीज के बाद कई सवालों का जवाब देंगी। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, क्या आज भी लोग अंधेरे, स्लो-मोशन में चलने वाले हीरो को पसंद करेंगे? या फिर सिर्फ तमाशा दिखाने वाली हिंसा को लोग स्वीकार करेंगे? उन्होंने आगे लिखा, दोनों फिल्में साथ देखना ऐसा होगा जैसे एक तरफ युद्ध का मैदान हो और दूसरी तरफ फैशन शूट। एक फिल्म (धुरंधर) दिल को छूती है और दूसरी (टॉक्सिक) सिर्फ कैमरे के लिए पोज देती है।

सच्चाई और स्टाइल में किसकी होगी जीत?

राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, दोनों फिल्मों के बीच जो टकराव है, वो सच्चाई और स्टाइल को लेकर है। राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, इससे शायद दक्षिण भारतीय फिल्मों वाली नायक पूजा (हीरो को भगवान बनाने की परंपरा) का अंत शुरू हो सकता है। दर्शक अब भगवान नहीं, बल्कि आम इंसान वाला हीरो चाहते हैं। या फिर उल्टा भी हो सकता है।

पत्नी से मिलने पहुंचा 9 साल से फरार हत्या का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक 9 साल के लंबे समय से फरार हत्या के आरोपी को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के रिछोहा गांव से गिरफ्तार किया है। यह मामला दिल्ली के कंझावला इलाके का है, जहां साल 2016 के अंत में नए साल की पूर्व संध्या पर विवाद ने एक जान ले ली थी। जानकारी के मुताबिक मोविन खान और मृतक मलखान दोनों ही कंझावला के लेबर चौक पर दिहाड़ी मजदूर थे। दिसंबर 2016 में दोनों के बीच 400 रुपए और मोबाइल फोन को लेकर विवाद हो गया था। नए साल की रात को मोविन मलखान से मिला। उस समय ज्यादातर साथी न्यू ईयर मना रहे थे और मलखान नशे में था। गुस्साए मोविन ने मलखान का गला रेत दिया और शव को सावदा गांव के खेत में फेंक दिया। कुछ घंटों बाद मलखान गंभीर हालत में मिला था जिसकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई। हत्या के तुरंत बाद मोविन दिल्ली से फरार हो गया। वह लगातार जगह बदलता रहा और बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में छिपता रहा। कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था और पुलिस ने उसके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर दी थी। वह अपने परिवार से भी कम ही संपर्क करता था। पिछले पांच महीनों से क्राइम ब्रांच की टीम चार राज्यों में उसकी तलाश में जुटी थी। डीसीपी (क्राइम) ने बताया कि टीम ने हार नहीं मानी और समन्वय के साथ छापेमारी की। पिछले हफ्ते पुलिस को सूचना मिली कि मोविन आगरा से अपनी पत्नी से संपर्क करने की कोशिश कर रहा है। टीम ने तुरंत कार्रवाई की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पास निहंगों ने मंहत की कर दी पिटाई

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल की हेरिटेज स्ट्रीट (विरासती मार्ग) पर निहंगों ने जबरन रुपए मांग रहे महंतों की पिटाई कर दी है। निहंगों ने डंडों से उन्हें पीटकर भगाया। निहंगों के विरोध को देखकर महंत भी वहां से दौड़ते हुए नजर आए। निहंगों के एक्शन के बाद कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण बन गया लेकिन यहां आए श्रद्धालुओं और दुकानदारों के सपोर्ट की वजह से महंत निहंगों का विरोध नहीं कर पाए। निहंगों के महंतों को हेरिटेज स्ट्रीट से दौड़ाने के वीडियो सामने आए हैं। निहंगों का कहना है कि उन्हें श्रद्धालुओं की और से सोशल मीडिया पर लगातार शिकायत मिल रही थी कि उन्हें परेशान किया जा रहा है। जिसके बाद वे मंगलवार रात वहां पहुंचे। वहां देखा कि महंत जबरन लोगों की जेब से रुपए निकालने तक के लिए जा रहे हैं। जिसके बाद निहंग एक्शन में आ गए। कुछ निहंग हेरिटेज स्ट्रीट पर जा रहे हैं। इस दौरान वह वहां घूम रहे महंतों पर नजर रख रहे हैं। इस दौरान एक महंत लोगों से रुपए मांगते हुए दिखता है। इस पर निहंग मंहत को घेर लेता हैं। इसके बाद निहंग डंडों से उसकी पिटाई करते हैं। वह महंत को कहते हैं कि कितनी बार तुम्हें कहा है, जाकर अपना काम करो। इसके बाद निहंग पीट-पीटकर मंहत को दौड़ा देते हैं। निहंग कहते हैं कि इन्होंने गंद डाल रखा है। इसके बाद महंत दौड़ते हुए नजर आता है। महंतों को दौड़ाने के बाद श्रद्धालु हाथ जोड़कर निहंगों का धन्यवाद करते हुए भी नजर आते हैं।

1.5 करोड़ रुपये की घूसखोरी के मामले में डिप्टी कमिश्नर प्रभा से सीबीआई की पूछताछ

लखनऊ (एजेंसी)। सीबीआई ने 1.5 करोड़ रुपये की घूसखोरी के मामले में झांसी के सीजीएसटी कार्यालय में तैनात रही डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी सहित अन्य आरोपितों से पूछताछ की। करीब आठ घंटे की पूछताछ में डिप्टी कमिश्नर खुद को निर्दोष बताया। वहीं, दो अन्य आरोपितों से भी सीबीआई अधिकारियों ने पूछताछ की, लेकिन उन्होंने मुंह नहीं खोला। डिप्टी कमिश्नर को सीबीआई की विशेष अदालत ने एक दिन के कस्टडी रिमांड पर सीबीआई को सौंपा था, जबकि दो अन्य आरोपितों का तीन दिन का रिमांड है। दरअसल जांच एजेंसी सीबीआई ने घूसखोरी के आरोप में बीती 31 दिसंबर को झांसी में छापेमारी कर डिप्टी कमिश्नर सहित जीसीएसटी के दो कर्मचारियों और एक वकील सहित दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। इनके ठिकानों से 70 लाख रुपये के अलावा संपत्तियों के दस्तावेज और ज्वैलरी बरामद हुई थी। इसके बाद सीबीआई की टीम तीनों आरोपितों को पूछताछ के लिए जेल से अपने कार्यालय आई थी। डिप्टी कमिश्नर ने सीबीआई अधिकारियों से कहा कि उन्हें घूस लेकर गिरफ्तार नहीं किया गया है, इसलिए इस मामले में उनकी कोई संलिप्तता नहीं है। हालांकि, सीबीआई ने जब उन्हें फोन काल का रिकार्ड दिखाया और व्हाट्सएप पर अन्य आरोपितों के साथ की गई चैट दिखाई तब वह कुछ नहीं बोल सकी। पूछताछ के बाद उन्हें शाम को जेल भेज दिया गया है, जबकि अनिल तिवारी व अजय शर्मा से कुछ देर ही पूछताछ की गई। दोनों आरोपितों से गुरुवार को भी पूछताछ की जाएगी।

जब पति-पत्नी अलग होने को तैयार, तो कोर्ट उसमें तकनीकी अड़चनें नहीं डाले

-राजस्थान हाईकोर्ट ने तलाक को लेकर सुनाया फैसला, फैमिली कोर्ट का आदेश किया रद्द

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत आपसी सहमति से होने वाले तलाक को लेकर फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के रवैये पर तल्खी जाहिर करते हुए कहा कि जब पति-पत्नी दोनों अलग होने के लिए तैयार हैं, तो कोर्ट को उसमें तकनीकी अड़चनें नहीं डालनी चाहिए। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की डिवीजन बेंच ने मेड़ता फैमिली कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया। इस आदेश में एक मुस्लिम दंपती के तलाक को मंजूरी देने से इनकार कर दिया गया था। कोर्ट ने अपने फैसले की शुरुआत ही पुरानी कहावत को उल्टे रूप से करते हुए लिखा- यह मामला ऐसा है जहां मियां-बीवी राजी, नहीं मान रहा काजी वाली स्थिति बन गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला पाली निवासी आयशा चौहान और वसीम खान से जुड़ा है। दोनों का निकाह 27 फरवरी 2022 को मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। शादी के बाद विचारों में मतभेद के चलते वे साथ रहने को तैयार नहीं थे। इसके बाद पति ने शरीयत के मुताबिक तीन अलग-अलग तुहर में 8 जून, 8 जुलाई और 8 अगस्त 2024 को तीन बार तलाक बोला। इसके बाद दोनों ने 20 अगस्त 2024 को 500 रुपए के स्टाम्प पेपर पर आपसी सहमति से तलाकनामा लिखा। इसी समझौते के आधार पर उन्होंने फैमिली कोर्ट, मेड़ता में तलाक घोषित करने की अर्जी लगाई, लेकिन 3 अप्रैल 2025 को फैमिली कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि फैमिली कोर्ट ने अर्जी खारिज करने के लिए गलत आधार चुना।

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बाद अब बारिश-ओलावृष्टि का दौर शुरू होने की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बाद अब बारिश-ओलावृष्टि का दौर शुरू होने की चेतावनी दी गई है। गुरुवार से राजस्थान, हिमाचल और पंजाब-हरियाणा में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो रहा है।

यूपी के 15, राजस्थान और हरियाणा के 6-6 जिलों में बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ जगहों पर ओले गिरने की चेतावनी भी गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में गुरुवार बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड के 5 जिलों में आज और शुक्रवार को बर्फबारी का अलर्ट है। फिलहाल यहां पारा माइनस में चल रहा है। चमौली के वाण गांव में झरना जमा हुआ दिखाई दिया।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अगले 7 दिनों में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकते हैं। इससे 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम और बिगड़ सकता है। पश्चिमी विक्षोभ या वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके सक्रिय होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी। तापमान में गिरावट आएगी, साथ ही पाला पड़ने और कोल्डवेव के हालात बन सकते हैं।

जहां 23 जनवरी को उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में बदलाव रहेगा। अधिकांश इलाकों में बादल छाए रहने वाले है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी रहेगी। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज हवाएं (30-50 किमी/घंटा) चल सकती हैं। बारिश और बादलों के चलते दिन के तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जबकि सुबह-शाम ठंड बनी रहेगी।

24 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ का असर धीरे-धीरे कमजोर पड़ेगा, लेकिन उत्तर भारत में मौसम अभी पूरी तरह साफ नहीं होगा। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बादल छाए रहेंगे और कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में हल्की गरज-चमक और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। बारिश की गतिविधियों में कमी आने के बाद सर्द हवाओं के कारण सर्दी का असर बढ़ सकता है।

सिख विरोधी दंगा : सज्जन को कोर्ट ने दी राहत, भीड़ को भड़काने के आरोप से किया बरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 सिख विरोधी दंगों के एक मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को कोर्ट ने राहत दी है। दिल्ली की एक कोर्ट ने सज्जन कुमार को उस मामले में बरी कर दिया है जिसमें उन पर जनकपुरी और विकासपुरी में भीड़ को भड़काने का आरोप था। स्पेशल जज दिग्विनय सिंह ने कुमार को बरी करने का संक्षित रूप से मौखिक फैसला सुनाया। फैसले की कॉपी का इंतजार है। पिछले साल दिसंबर में मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने 22 जनवरी के लिए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2015 में एसआईटी ने दंगों के दौरान दिल्ली के जनकपुरी और विकासपुरी में हुई हिंसा से जुड़ी शिकायतों के आधार पर सज्जन कुमार के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थीं। एक एफआईआर जनकपुरी में हुई हिंसा से संबंधित थी, जहां एक नवंबर 1984 को सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या कर दी गई थी। दूसरी प्राथमिकी गुरबचन सिंह के मामले में दर्ज की गई थी, जिनको दो नवंबर 1984 को विकासपुरी में कथित तौर पर जिंदा जला दिया गया था।

तेलंगाना में 15 बंदरों की संदिग्ध मौत, 80 गंभीर, पशु प्रेमी और लोगों में हड़कंप

-बंदरों को किसी अज्ञात व्यक्ति के जहरीला पदार्थ खिलाने की लोग जता रहे शंका

कमारैड्डी (एजेंसी)। तेलंगाना में कामारेड्डी जिले के बिक्कनूर मण्डल के अंतम्पल्ली गांव के पास नेशनल हाइवे पर स्थित एक ढाबे में कम से कम 15 बंदरों की संदिग्ध मौत हो गई, जबकि कई अन्य बंदर गंभीर रूप से बीमार हो गए। घटना की जानकारी लोगों ने तुरंत गांव के सरपंच और पशु चिकित्सक को दी, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर घायल बंदरों का इलाज किया और कई बंदरों की जान बचाई।

मीडिया रिपोर्ट में लोगों ने बताया कि करीब 80 बंदर बहुत नाजुक स्थिति में पाए गए, जिन्हें चलने-फिरने में भी कठिनाई हो रही थी। मृत बंदरों के शव ढाबे के आसपास पड़े थे। लोग शक व्यक्त कर रहे हैं कि बंदरों को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खिला दिया है। इस घटना ने पशु प्रेमियों के बीच गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। कामारेड्डी जिले के ही मचारेड्डी और बिक्कनूर मण्डलों में हाल ही में बंदरों और आवारा कुत्तों के जहर दिए जाने के आरोपों के मद्देनजर यह घटना और भी चिंता का विषय बन गई है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए गांव के सरपंच ने बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने बंदरों के एक समूह को वैन में लाकर नेशनल हाइवे के ढाबे पर छोड़ दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। स्थानीय पशु चिकित्सक ने बताया कि बचाए गए बंदरों का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति अब स्थिर है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन या पुलिस को दें।

रिपोर्ट के मुताबिक पशु कल्याण संगठनों ने भी घटना की कड़ी निंदा की है और प्रशासन से इस तरह की घटनाओं की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है। वन विभाग और पुलिस प्रशासन ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

एमजी ग्लोबल शिक्षण संस्थान में भीम प्रज्ञा वार्षिक कैलेंडर का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागौड़जी।

एमजी ग्लोबल शिक्षण संस्थान, गुढ़ागौड़जी में दैनिक भीम प्रज्ञा के वार्षिक कैलेंडर का गरिमामय लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कैलेंडर का विमोचन केजीआई संस्थान के अध्यक्ष एवं एमजी ग्लोबल शिक्षण संस्थान समूह के चेयरमैन, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षाविद् डॉ. हरिसिंह गोदारा के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर दैनिक भीम प्रज्ञा के प्रधान संपादक एडवोकेट हरेश पंवार द्वारा लिखित बहुचर्चित पुस्तक 'महामारी में घपले' भी अतिथियों को भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, सामाजिक सरोकार, जनकल्याण और निष्पक्ष पत्रकारिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। डॉ. हरिसिंह गोदारा ने अपने संबोधन में भीम प्रज्ञा के सामाजिक दायित्व और निर्भीक पत्रकारिता की सराहना करते हुए कहा कि, 'भीम प्रज्ञा का अटल विश्वास है कि खबरों में उस दर्द को भी आवाज दी जाए, जिसे कोई सुनने वाला नहीं होता।' उन्होंने संस्थान के माध्यम से शिक्षा के साथ सामाजिक चेतना को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमजी ग्लोबल की डायरेक्टर एवं प्रिंसिपल आशा सिंह ने की तथा विशिष्ट अतिथि, वाइस प्रिंसिपल अक्षित शर्मा, मुंगेशवरी देवी गोदारा कॉलेज के प्राचार्य राजवीर सिंह, विजेंद्र सिंह कानसूजिया, मुख्य प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह, प्रबंध निदेशक प्रवेश झाझरिया थे। इस मौके पर अंकित, अमित, निलेश, बाबूलाल, अनुपमा, तपस्या, वर्षा, सोनिया, यश एवं संस्थान का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। समारोह साधारण एवं सादगीपूर्ण संपन्न हुआ, जहां शिक्षा और समाज के बीच सेतु बनती सकारात्मक पत्रकारिता की भूमिका को सभी ने सराहा।

आप दिल्ली ब्लास्ट में शामिल हैं, सुनते ही घबरा गए रिटायर्ड अधिकारी

-साइबर ठगों ने धमकाकर 16.50 लाख रुपए अलग-अलग बैंकों में करा लिए ट्रांसफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइबर ठगी के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं जिसमें लोगों से लाखों की ठगी की जा रही है। अब एक ऐसा ही मामला बृहन्मुंबई नगर निगम से रिटायर्ड अधिकारी से लाखों रुपए की ठगी का है। दरअसल, साइबर ठगों ने इस बार दिल्ली ब्लास्ट के नाम पर 16.50 लाख रुपए उड़ा लिए।

मीडिया रिपोर्ट के मताबिक साइबर अपराधी ने खुद को एटीएस और एनआईए का अधिकारी बताया। इसके बाद मुंबई में रहने वाले 75 साल के बीएमसी से रिटायर शख्स को कॉल किया। विक्टिम को बताया कि दिल्ली ब्लास्ट आरोपियों में उनका नाम भी शामिल है, जो हाल ही में हुआ है। मुंबई के अंधेरी में रहने वाले शख्स ने पुलिस स्टेशन जाकर इस मामले की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विक्टिम को 11 दिसंबर को अनजान नंबर से कॉल रिसीव हुई थी। कॉल करने वाले ने बताया है कि वह दिल्ली एटीएस से है। इसके बाद कॉलर ने विक्टिम को धमकाना शुरू किया।

इसके बाद विक्टिम को बताया है कि उनको जांच में सहयोग करना होगा, जो सीक्रटली तरीके से होगी। इसके बाद साइबर ठगी का केस आगे बढ़ा। विक्टिम को बताया कि उनको एक मोबाइल ऐप्लीकेशन इंस्टॉल करने को कहा। जहां विक्टिम को एक वीडियो कॉल रिसीव हुई। वीडियो कॉल में एक शख्स सामने था, जिसने खुद को एनआईए ऑफिसर बताया। कॉलर ने विक्टिम को बताया कि एक बैंक अकाउंट का लिंक उनके मोबाइल नंबर है। उस बैंक अकाउंट में मनी लाउंड्रिंग के जरिए 7 करोड़ रिसीव हुए हैं। इसमें आरोपी को गिरफ्तार करने की धमकी दी गई, जिसके बाद विक्टिम घबरा गए।

साइबर ठग ने विक्टिम से कहा कि यह नेशनल सिक्योरिटी का मामला है। इसमें विक्टिम से कहा कि वह किसी को भी इसके बारे में ना बताए। साइबर स्कैमर्स ने विक्टिम को बताया है कि एजेंसी जानना चाहती है कि आपके बैंक खाते में कितनी रकम है और अन्य इनवेस्टमेंट लीगल हैं या नहीं। इसके बाद विक्टिम को सभी रकम कुछ बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने को कहा। ये रकम वेरिफिकेशन्स के नाम पर अन्य बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने को कहा। साथ ही कहा कि निर्दोष पाए जाने पर सभी रकम वापस कर दी जाएगी।

इसके बाद विक्टिम ने अलग-अलग बैंक अकाउंट में 16.50 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए फिर कॉलर ने विक्टिम का नंबर ब्लॉक कर दिया। विक्टिम को समझ आया कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुका है और उन्होंने पुलिस को जानकारी दी और शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों का पता लगा रही है।

आतंकी मोहम्मद आरिफ की उपचारात्मक याचिका को सुनेगा सुप्रीम कोर्ट... लाल किला हमले के दोषी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2000 में हुए ऐतिहासिक लाल किला हमले के दोषी और मौत की सजा पाए लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकी मोहम्मद आरिफ उर्फ ??अशफाक की उपचारात्मक याचिका को सुनने का फैसला किया है। गुरुवार को अदालत ने मामले में नोटिस जारी करते हुए आरिफ के पास उपलब्ध अंतिम कानूनी विकल्प पर विचार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस हमले में सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे। न्यायालय ने मामले में सजा के खिलाफ आरिफ की पुनर्विचार याचिका तीन नवंबर 2022 को खारिज की थी। ??अशफाक को अक्टूबर 2005 में निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी और दिल्ली उच्च न्यायालय ने सितंबर 2007 में निचली अदालत के फैसले को कायम रखा था।

इसके बाद आरिफ ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। शीर्ष अदालत ने अगस्त 2011 में आरिफ को दी गई मौत की सजा को बरकरार रखा था। गुरुवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी की विशेष पीठ ने वकीलों द्वारा प्रस्तुत दलीलों पर गौर किया, जिसमें शीर्ष अदालत के उन फैसलों का हवाला दिया गया था, जिसमें अपील और पुनर्विचार याचिका को खारिज करते हुए मृत्युदंड को बरकरार रखा गया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, '' नोटिस जारी करें।'' उपचारात्मक याचिका वादी के पास फैसले को चुनौती देने के लिए मौजूद अंतिम कानूनी उपाय है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं दो बार अपील और समीक्षा याचिका को खारिज करके बरकरार रखा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 22 दिसंबर 2000 की रात को कुछ घुसपैठिए लाल किले के अंदर उस क्षेत्र में घुस गए जहां भारतीय सेना की 7 राजपूताना राइफल्स की यूनिट तैनात थी और उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे।

यूरोप ने कहा- बगैर भारत के हमारा काम नहीं चलेगा, गणतंत्र दिवस पर होगी सुरक्षा पर बड़ी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व की बदलती राजनीतिक बिसात पर भारत इस समय एक ऐसी सुदृढ़ स्थिति में खड़ा है, जहां दुनिया की महाशक्तियां उसके साथ साझेदारी के लिए लालायित हैं। एक ओर जहां अमेरिका द्विपक्षीय व्यापारिक समझौतों के लिए उत्सुक दिख रहा है, वहीं दूसरी ओर यूरोप ने खुले तौर पर यह स्वीकार कर लिया है कि भारत के बिना उसकी वैश्विक रणनीति अधूरी है। इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह इसी बदलते वैश्विक समीकरण का गवाह बनने जा रहा है, क्योंकि यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष नेता इस बार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे हैं। यह दौरा केवल औपचारिक शिष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने साथ कई ऐसे बड़े रक्षा और आर्थिक समझौते लेकर आ रहा है जो आने वाले दशकों में भारत और यूरोप के संबंधों की नई दिशा तय करेंगे।

यूरोपीय मेहमानों का भारत आगमन इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पश्चिमी देशों के लिए भारत अब केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक अनिवार्य रणनीतिक मजबूरी बन चुका है। भारत के बिना हम अधूरे हैं जैसे शब्द आज के दौर में यूरोप की उसी सोच को दर्शाते हैं, जो वैश्विक युद्ध, अस्थिरता और आर्थिक दबावों के बीच एक भरोसेमंद साझेदार की तलाश में है। दिल्ली में होने वाला यह यूरोपीय संघ-भारत शिखर सम्मेलन वैश्विक शक्ति के संतुलन में आए बदलाव का सबसे बड़ा प्रतीक है। इस सम्मेलन का प्रभाव केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी गूंज बीजिंग से लेकर इस्लामाबाद तक महसूस की जाएगी।

इस ऐतिहासिक समझौते के तहत डिफेंस, काउंटर टेररिज्म और साइबर सिक्योरिटी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भारत और यूरोपीय संघ एक मंच पर आने जा रहे हैं। इसे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की आक्रामक समुद्री नीति पर लगाम लगाने की एक साझा रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। समुद्री सुरक्षा और मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस पर सहयोग बढ़ने से हिंद महासागर में खुले व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, जो सीधे तौर पर नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यूरोप की आर्थिक मजबूती और रणनीतिक स्थिरता के लिए भारत की भूमिका अनिवार्य है। पाकिस्तान के लिए यह साझेदारी एक बड़े कूटनीतिक झटके के समान है। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत और यूरोपीय संघ का एक सुर में बोलना पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय नैरेटिव को कमजोर करेगा और आतंकी नेटवर्कों पर वैश्विक दबाव को बढ़ाएगा। वहीं, चीन के लिए भारत और यूरोप की यह नजदीकी इसलिए चिंताजनक है क्योंकि यह न केवल सुरक्षा के मोर्चे पर, बल्कि टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर और साइबर स्पेस में भी चीन के एकाधिकार को चुनौती देने वाली है। सिर्फ सुरक्षा ही नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक बड़ा गेम-चेंजिंग प्लान तैयार है। लंबे समय से प्रतीक्षित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर बातचीत ने अब रफ्तार पकड़ ली है। क्लीन टेक्नोलॉजी, फार्मा और

सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में सहयोग से भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में बड़ी पहचान मिलेगी। इसके साथ ही, प्रस्तावित मोबिलिटी फ्रेमवर्क से भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए यूरोप में शिक्षा और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। कुल मिलाकर, गणतंत्र दिवस के अवसर पर होने वाला यह पावर शिफ्ट दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि भारत अब वैश्विक सुरक्षा ढांचे का एक मुख्य स्तंभ बन चुका है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com